■ चैत्र शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 251 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 10-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 अन्नदाता किसान का समान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : भजनलाल शर्मा
6 सावधान! तेज धूप एवं बढ़ती गर्मी से कहीं लू न लग जाए
7 देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा : संजना सांघी

फर्स्ट टेक

भारत ने म्यांमार को पहुंचायी 656 टन सहायता सामग्री

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत में म्यांमार में विनाशकारी भूकंप से हुए नुकसान के बाद सहायता के लिए चलाये गये ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत अब तक 656 टन मानवीय सहायता एवं आपदा राहत सामग्री पहुंचायी है तथा डेढ़ हजार से अधिक लोगों का उपचार सुनिश्चित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने आपदा में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में म्यांमार में अब तक 656 मीट्रिक टन से अधिक मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री पहुंचाई है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मार्ग पर भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से बुधवार को दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की यहां हुई बैठक में इन रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने पंजाब और हरियाणा में 'हाइब्रिड एन्यूटी' मॉडल पर 1,878.31 करोड़ रुपए की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबे जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 104 किलोमीटर लंबे तिरुपति-पकाला-कटपडी रेल खंड का 1,332 करोड़ रुपए की कुल लागत से दोहरीकरण करने को भी मंजूरी दी।

26 राफेल-एम जेट की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को फ्रांस से करीब 64,000 करोड़ रुपए की लागत से नौसेना के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस खरीद परियोजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीएस) ने मंजूरी दे दी है।

10-04-2025 सूर्यास्त 6:21 बजे | 11-04-2025 सूर्योदय 6:58 बजे

BSE	NSE
73,847.15	22,399.15
(-379.93)	(-136.70)

सोना	चांदी
9,312 रु.	102,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय लोकतंत्र

जो लोकसभा में अनफिट थे,
वे राज्यसभा के हितकारी।
जो आलोचक थे प्रबल प्रखर,
वे चाटुकार अब मनुहारी।
जन-भीड़ हो गई भेड़ सदृश,
जाए पीछे मारी-मारी।
हो गए व्यक्ति जन से महान,
जय लोकतंत्र की बलिहारी।।

भारत की प्रगति से दूसरों की प्रगति के रास्ते खुलते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत परस्पर सहयोग के दर्शन के साथ कार्य करता है और अपने विकास के साथ दूसरों के विकास के द्वार भी खोलता है। इसी कारण भारत के प्रति दुनिया का विश्वास आज और मजबूत हुआ है। मोदी ने कहा कि भारत कि यह विशेषता है कि इस देश की प्रगति से दूसरों की भी प्रगति के रास्ते खुलते हैं। वह राजधानी में जैन धर्मावलम्बियों के 'नवकार महामंत्र दिवस' को संबोधित कर रहे थे।

विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जैन धर्म की शिक्षाओं से प्रेरणा ले कर व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन का संचालन करने में सुंदरता की व्याख्या करते हुए पानी की बचत, और स्वच्छता जैसे नौ संकल्प कराए। नवकार महामंत्र दिवस आध्यात्मिक सद्भाव और नैतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। इसमें जैन धर्म में सबसे अधिक पूजनीय और सार्वभौमिक मंत्र- नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से लोगों की एकजुटता की प्रार्थना की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत पर दुनिया का विश्वास और भी गहरा हो रहा है। हमारे प्रयास, हमारे परिणाम, अपने आप में अब प्रेरणा बन रहे हैं। वैश्विक संस्थाएं भारत की ओर देख रही हैं। उन्होंने कहा , ...क्योंकि भारत आगे बढ़ा है। और जब हम आगे बढ़ते हैं, ये भारत की विशेषता है, जब भारत आगे बढ़ता है, तो दूसरों के लिए रास्ते खुलते हैं। यही तो जैन धर्म की भावना है।

'परस्परोपग्रह जीवानाम्!' के दर्शन का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा , जीवन आपसी सहयोग से ही चलता है। इसी सोच के कारण भारत से दुनिया की अपेक्षाएँ भी बढ़ी हैं। और हम भी अपने प्रयास तेज कर चुके हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इस संकट का समाधान जैन धर्म के 'अपरिग्रह'के सिद्धांत में है। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने और स्वस्थ जीवन शैली के लिए भारत द्वारा विश्व के समक्ष प्रस्तुत 'मिशन लाइफ' का जिक्र किया जो पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवन शैली पर केन्द्रित है और जैन समाज तो सदियों से यही जीता आया है। सादगी, संयम और स्वस्थ मार्ग आपके जीवन के मूल हैं। जैन धर्म में कहा गया है- अपरिग्रह, अब समय हैइन्हें जन-जन तक पहुँचाने का। मोदी ने इस अवसर पर लोगों के लिए रोजमर्रा के जीवन के लिए नौ संकल्प कराए जिनमें पानी बचाने, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता मिशन, वोकल फॉर लोकल (स्थानीय वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता), देश-दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वच्छ जीवन (खाने में तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत कटौती), दिन-चर्चा में योग और खेल-कूद तथा गरीब की सहायता का संकल्प है।

उन्होंने इसी संदर्भ में भारतीय संस्कृति में नौ अंक के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि जैन धर्म में नवकार महामंत्र, नौ तत्व, नौ पुण्य और अन्य परंपराओं में, नौ निधि, नवद्वार, नवग्रह, नवदुर्गा, नवधा भक्ति, नौ, हर जगह है।

आरबीआई ने लगातार दूसरी बार रेपो दर में कटौती की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस कदम से आवास, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते हो जाने की उम्मीद है।

■ ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया

■ आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर व्याप्त चिंता के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' करते हुए आने वाले समय में ब्याज दर में एक और कटौती का संकेत दिया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस कदम से आवास, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते हो जाने की उम्मीद है।

आरबीआई ने इसके साथ वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ''छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती कर छह प्रतिशत करने निर्णय किया है।'' एमपीसी में तीन सदस्य केंद्रीय बैंक से, जबकि तीन सदस्य बाहर से होते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार' कर दिया है। इसका मतलब है कि आरबीआई आने वाले समय में जरूरत पड़ने पर नीतिगत दर में और कटौती कर सकता है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है।

नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कमी करने का मतलब है कि रेपो दर जैसे बाह्य मानकों पर आधारित कर्ज पर ब्याज दर (ईबीएलआर) में कमी आएगी। अगर बैंक पूरी तरह से कर्जदाताओं को इस कटौती का लाभ देते हैं तो आवास, वाहन और व्यक्तिगत कर्ज की मासिक किस्त 0.25 प्रतिशत कम हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इससे पहले इस साल फरवरी में मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.25 प्रतिशत किया था। यह मई, 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल के बाद पहला संशोधन था।

भारत ने बांग्लादेश के लिए पारगमन सुविधा समाप्त की

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बांग्लादेश से बंदरगाहों और हवाई अड्डों के रास्ते में किसी तीसरे देश को निर्यात करने के लिए भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों का उपयोग करने की अनुमति देने वाली पारगमन सुविधा को समाप्त कर दिया है। एक सरकारी परिपत्र में यह जानकारी दी गई है। मुख्य रूप से परिधान क्षेत्र के भारतीय निर्यातकों ने पहले सरकार से पड़ोसी देश को दी गई यह सुविधा वापस लेने का आग्रह किया था। इस सुविधा ने भूटान, नेपाल और म्यांमा जैसे देशों में बांग्लादेश के निर्यात के लिए सुचारू व्यापार प्रवाह को सक्षम किया था। यह सुविधा, भारत द्वारा जून, 2020 में बांग्लादेश को प्रदान की गई थी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के आठ अप्रैल के परिपत्र में कहा गया, 29 जून, 2020 के संशोधित परिपत्र को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया गया है। भारत में पहले से प्रवेश किए गए कार्गो को उस परिपत्र में दी गई प्रक्रिया के अनुसार भारतीय क्षेत्र से बाहर जाने की अनुमति दी जा सकती है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब अमेरिका ने भारत और बांग्लादेश सहित कई देशों पर भारी शुल्क लगाया है। पहले के परिपत्र में भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों के रास्ते में भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों (एलसीएस) का उपयोग करके बांग्लादेश से तीसरे देशों में निर्यात कार्गो के पारगमन की अनुमति दी गई थी।

कांग्रेस को नई दिशा देने के लिए गुजरात अधिवेशन में तीन प्रस्ताव पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/एजेन्सी। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में संपन्न दो दिवसीय अधिवेशन के अंतिम दिन आज तीन प्रस्ताव पारित किये गए जिनका मक़सद कांग्रेस को जुझारू रूप से काम करते हुए तानाशाही के खिलाफ लड़ने, गुजरात की सत्ता में कांग्रेस की वापसी के लिए जनता से जुड़े मुद्दों को आक्रामकता से उठाने और सरदार पटेल तथा गांधी की विरासत हड़पने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंसूबों पर पानी फेरना है।

सरदार पटेल और पंडित नेहरू के बीच टकराव के मुद्दे को प्रचारित करने की भाजपा की प्रयासों को रोकने के लिए पार्टी ने अधिवेशन की पहले दिन अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया था और आज उसे अधिवेशन में पारित कर दिया गया। न्यायपथ प्रस्ताव को कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अधिवेशन में रखा जिसका पार्टी नेता शशि थरूर ने समर्थन किया। इस पर 30 से ज्यादा सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किये। गुजरात में कांग्रेस की वापसी से संबंधित विधेयक गुजरात विधानसभा के सदस्य जिग्नेश मेवाणी ने पेश किया जिसके समर्थन में 20 से अधिक सदस्यों ने अपने विचार रखें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वक्तव्य से पहले इन तीनों प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। कांग्रेस ने गुजरात अधिवेशन में महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने की शताब्दी वर्ष में तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 में जयंती वर्ष में न्यायपथ प्रस्ताव पारित किया है। न्याय पद प्रस्ताव में कहा गया है कि जब संगठन एकजुट होकर काम करता है तो क्रूर से क्रूर शासक को भी सत्ता से बेदखल कर देता है। इस प्रस्ताव में संकल्प लिया गया है कि कांग्रेस एकजुट होकर सत्ता धारी भाजपा का मुकाबला करेगी और उसकी अन्याय के खिलाफ देश को न्याय दिलाएगा और नफरत नकारात्मकता और निराशा की वातावरण को बदलकर न्याय तथा संघर्ष के रास्ते पर चलकर जनहित के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेगी।

प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि सत्ताधारी दल द्वारा सत्ता का दुरुपयोग कर नाजायज दबाव बनाकर संस्थानों पर हमला किया जा रहा है। मणिपुर में संविधान के धज्रियां उड़ाई जा रही है। न्यायाधीश के घर में बड़ी मात्रा में नोटों का पाया जाना चिंताजनक है और इससे न्याय व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। कांग्रेस अधिवेशन में दूसरा प्रस्ताव गुजरात को लेकर के पारित किया गया है जिसमें संकल्प लिया गया है कि गुजरात में लोकतंत्र ध्वस्तु हो रहा है उसे बहाल किया जाएगा युवाओं को नौकरी दी जाएगी और महिलाओं की अधिकारों को संरक्षित किया जाएगा। प्रस्ताव में संकल्प लिया गया है कि कांग्रेस को सत्ता में लाना है और भाजपा की तीन दशक के अन्यायपूर्ण शासन से जनता को मुक्ति दिलानी है।

यूनुस के साथ मुलाकात के दौरान

प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में कट्टरपंथ का मुद्दा उठाया : जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के बीच हुई बैठक में भारत ने पड़ोसी देश को, उसके यहां अल्पसंख्यकों पर हमलों और कट्टरपंथ को लेकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया था।

जयशंकर ने बांग्लादेश में नए सिरे से चुनाव कराने के लिए भारत के प्रयास को रेखांकित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के लिए चुनाव आवश्यक हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि

''हमसे अधिक कोई अन्य देश बांग्लादेश का बेहतर शुभचिंतक नहीं हो सकता।''

बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना सरकार का पतन हो गया था। उस घटना के बाद मोदी और यूनुस की बैंकाक में पहली बार मुलाकात हुई थी।

जयशंकर ने न्यूज 18 राइजिंग भारत शिखर सम्मेलन में कहा, ''मुझे लगता है कि बैठक में हमारी ओर से जो मुख्य संदेश सामने आया, वह यह है कि ऐतिहासिक कारणों से बांग्लादेश के साथ हमारा रिश्ता बहुत ही अनोखा है। यह मूल रूप से लोगों से लोगों का जुड़ाव है।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश के लिए हमसे अधिक कोई अन्य देश बेहतर की कामना नहीं करता; यह हमारे डीएनए में है। एक शुभचिंतक और मित्र के रूप में, मैं आशा करता हूं कि वे सही रास्ते पर चलें और सही काम करें।''

सीतारमण ने लंदन में निवेशक गोलमेज सम्मेलन में भारत के निवेश अवसरों का किया उल्लेख

लंदन/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्रिटेन के निवेशकों से कहा है कि भारत विदेशी बैंकों के लिए वृद्धि के आकर्षक अवसर प्रदान करता है।

सीतारमण ने लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। इसमें विभिन्न पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिटेन के करीब 60 निवेशकों ने हिस्सा लिया।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार शाम को आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक में नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसरों को सक्षम बनाने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया, जिसके जरिये ''न्यू इंडिया'' को आकार दिया जा रहा है।

इसमें अनुपालन के बोझ को कम करने तथा व्यापार व निवेश के लिए अनुकूल परिवेश उपलब्ध कराने को विनियमन को सुगम बनाने के लिए प्रक्रिया और कामकाज के तरीकों में सुधारों को आगे बढ़ाने के मंत्रालय के प्रयासों का उल्लेख किया गया।

सीतारमण ने सम्मेलन में मौजूद लोगों से कहा, '' भारत विदेशी बैंकों के लिए वृद्धि के आकर्षक अवसर प्रदान करता है। भारत सरकार बैंकिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है।''

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि विस्तारित मध्यम वर्ग तथा मजबूत व स्थिर नीतिगत माहौल के साथ भारत 2032 तक छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बनने के लिए तैयार है। इसमें 2024-28 तक सालाना आधार पर 7.1 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यह जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक होगी।

सीतारमण ने निवेशकों को यह भी बताया कि भारतीय प्रतिभूति बाजार 2023 की शुरुआत में टी+1 निपटान को पूरी तरह से अपनाने वाले पहले प्रमुख बाजारों में से एक है। भारत का बाजार पूंजीकरण 4,600 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है।

समस्त जैन समाज का विनम्र अनुरोध
श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624 वे जन्म कल्याणक महोत्सव
सभी संघ-संस्थाओं से विशेष निवेदन है कि आज दोपहर तक अन्य कोई क्षेत्रिय कार्यक्रम न रखते हुए इस भव्य समारोह में पधारकर जैन एकता एवं आपसी सद्भाव का परिचय देवें।
आयोजक : जैन युवा संगठन (पंजी.), बेंगलोर | जैन महावीर मुणोत अध्यक्ष | जैन नीरज कटारिया मंत्री
WE EXPRESS OUR DEEPEST GRATITUDE TO BBMP & POLICE DEPARTMENTS FOR GRANTING US PERMISSION FOR CELEBRATIONS OF BHAGWAN MAHAVEER JANM KALYANAK MAHOTSAV
गुरुवार, दि.10-4-2025 को अपने-अपने प्रतिष्ठान बन्द रखें।
शोभायात्रा : प्रात: 8.01 बजे (टाऊन हाल से) ● मुख्य कार्यक्रम : प्रात: 10.15 बजे (फ्रीडम पार्क)
महामांगलिक : मध्यान्ह 1.21 बजे
FREE ENTRY
सायं : 6.30 बजे से
सायंकालीन भक्ति संध्या कार्यक्रम
आदिनाथ चरित्र की भव्य प्रस्तुति भक्तामर स्तोत्र - एक दिव्य स्तुति
बेंगलोर में प्रथम बार 75 कलाकारों द्वारा ज्ञानवर्धक नाटिका एवं रूपक द्वारा भावविभोर कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुति
कुण्डलपुर नगरी, फ्रीडम पार्क (पीपल्स प्लाजा), शेषाद्रि रोड, गांधीनगर, बैंगलोर - 09

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री जयशंकर और एनएसए डोभाल के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ बैठक की। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह बैठक मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से आसन्न प्रत्यर्पण की खबरों की पृष्ठभूमि में हुई।

सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने विदेश मंत्री और एनएसए के साथ बैठक की। बैठक में खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका और विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने बैठक में चर्चा किए गए मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि यह बैठक अमेरिका द्वारा राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की खबरों के बीच हुई, इसलिए माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर भी चर्चा हुई। केंद्र सरकार की एक बहु-एजेंसी टीम पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा को भारत लाने के लिए पहले से ही अमेरिका में है। राणा को भारत प्रत्यर्पित कराकर लाया जाना है ताकि उसपर 26/11 मुंबई हमलों के मामले में यहां मुकदमा चलाया जा सके। सूत्रों ने बताया कि राणा को दिल्ली लाए जाने की उम्मीद है, जहां वह शुरू में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में रहेगा, जो कानूनी औपचारिकताएं पूरी करेगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसे नियमित उड़ान से लाया जाएगा या विशेष विमान से। उसे लॉस एंजिलिस के महानगर निरुद्ध केंद्र में रखा गया था। उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा माना जाता है, जो 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो ने राणा को हमलों के एक वर्ष बाद अक्टूबर 2009 में शिकागो से कोपेनहेगन (डेनमार्क) के एक समाचार पत्र पर हमला करने की असफल योजना में सहायता प्रदान करने तथा लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) को साजो सामान की सहायता करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। राणा को 2011 में इस मामले में दोषी ठहराया गया और 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई। हालांकि, उसे मुंबई आतंकी हमलों की साजिश रचने के आरोपों से बरी कर दिया गया।

आंध्र: चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती में नये घर की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ यहां अपने नये घर की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने अपने पुत्र एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अमरावती के वेलागापुडी गांव में आयोजित भूमि पूजन समारोह में भाग लिया।

तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुख्यमंत्री दंपति (नायडू और उनकी पत्नी एन भुवनेश्वरी), नारा लोकेश और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वेलागापुडी में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के घर के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने मकान बनाने के लिए वेलागापुडी गांव में सचिवालय के पीछे ई9 सड़क के किनारे जमीन खरीदी है।

एअर इंडिया की दिल्ली-बैंकॉक उड़ान में यात्री ने दूसरे यात्री पर किया पेशाब

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी से बुधवार को बैंकॉक जा रही एअर इंडिया की उड़ान के दौरान एक यात्री ने एक अन्य यात्री पर कथित तौर पर पेशाब कर दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि नौ अप्रैल को उसकी दिल्ली-बैंकॉक उड़ान में ''यात्री के अभद्र व्यवहार'' की घटना की सूचना मिली और इसकी जानकारी प्राधिकारियों (डीजीसीए) को दे दी गई है।

घटना के बारे में पूछे जाने पर नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय घटना का संज्ञान लेगा और विमानन कंपनी से बात करेगा। नायडू ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''यदि कोई गलत चीज हुई है तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे।''

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ''एअर इंडिया इस बात की पुष्टि करती है कि नौ अप्रैल को दिल्ली से बैंकॉक जाने वाली उड़ान के चालक दल के सदस्यों को यात्री के अशोभनीय व्यवहार की सूचना दी गई।''

पुराने रामबाड़ा-केदारनाथ पैदल मार्ग को फिर शुरू करने की तैयारी, धाम की यात्रा होगी सुगम

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में 2013 की भीषण त्रासदी में बह गए रामबाड़ा-केदारनाथ पुराने पैदल मार्ग को दोबारा बनाने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है और राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस साल यह श्रद्धालुओं के लिए शुरू कर दिया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज पांडेय ने यहां बताया कि यह मार्ग करीब 80 फीसदी तैयार हो चुका है और इस यात्रा सीजन में इसके पूरी तरह चालू हो जाने की उम्मीद है।

बारह साल पहले आयी आपदा में गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ तक का 16 किलोमीटर का पैदल मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था। प्रशासन ने गौरीकुंड से रामबाड़ा तक के मार्ग को मरम्मत करके चलने लायक बना दिया लेकिन रामबाड़ा से केदारनाथ के लिए नया मार्ग बनाया गया जो पुराने मार्ग की अपेक्षा करीब दो किलोमीटर लंबा है। लंबा होने के साथ ही नया मार्ग कठिन है और इसमें अक्सर भूस्खलन की भी समस्या बनी रहती है।

सचिव ने कहा कि पुराने मार्ग को दोबारा चालू करने का उद्देश्य यात्रियों को आसान और सुरक्षित विकल्प देना है। पांडेय ने बताया कि पुराना मार्ग वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान के तहत आता है जिस कारण इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए पर्यावरणीय स्वीकृतियां लेने में काफी समय लग गया। उनके मुताबिक, हालांकि, पिछले वर्ष इस परियोजना को मंज़ूरी मिलने के बाद मार्च से निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि छोटे आकार की जेसीबी और कटिंग मशीनों को 'एयरलिफ्ट' कर मार्ग निर्माण में लगाया गया।

खरगे ने 'गैर-जिम्मेदार' नेताओं को चेताया: रिटायर हो जाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनावों में कथित जालसाजी के विषय को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और अपनी पार्टी में जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जिम्मेदारी नहीं निभाने वालों को रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने पार्टी अधिवेशन को संबोधित करते हुए मतपत्र से चुनाव की पैरवी की और यह आरोप भी लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने ऐसी तकनीक विकसित कर ली है जिससे चुनावों में उसे फायदा और विपक्ष को नुकसान हो रहा है।

खरगे ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, पिछले 11 वर्षों में सत्ताधारी दल संविधान पर लगातार चोट कर रहा है। हमारी संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का सदन में आसन से नाम लिया गया, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया, जो लोकतंत्र के लिए लज्जा की बात है। खरगे ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद में चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि सरकार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए देर रात तक संसद में चर्चा कराती रही, जबकि मणिपुर पर भोर के समय कुछ देर के लिए चर्चा कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मणिपुर को लेकर कुछ छिपाना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि लोकतंत्र को धीरे धीरे खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 26 फीसदी टैरिफ (जवाबी शुल्क) लगाया, लेकिन सरकार ने इस विषय को संसद में उठाने नहीं दिया।

खरगे ने आरोप लगाया कि 'मित्रों' को सरकारी उपक्रमों को बेचा जा रहा है, जिससे वंचित तबकों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने दावा किया, अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन यह सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को बेचकर जाने वाले हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह दावा भी किया कि चुनाव आयोग से लेकर संसद तक सरकार का विस्तार करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं ईवीएम नहीं है, यह सिर्फ भारत में है। खरगे ने कहा, आपने (सत्तापक्ष) ऐसी तकनीक बना ली है जिससे आपको फायदा हो और विपक्ष को नुकसान होगा। अगर ऐसा ही रहा तो नौजवान उठेंगे और आपका हाथ पकड़कर कहेंगे कि ईवीएम नहीं होनी चाहिए।

राम नवमी जुलूस में आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर भाजपा विधायक राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एक उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया एक मामला

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में राम नवमी के मौके पर निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान कथित तौर पर असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने और पुलिस को धमकी देने समेत अन्य उल्लंघनों को लेकर भाजपा विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि गोशामहल से विधायक राजा सिंह के खिलाफ मंगलहाट थाने में छह और आठ अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(2) (आपराधिक धमकी से निपटना) सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए।

शोभा यात्रा के दौरान सिंह ने पुलिस को कथित तौर पर किसी भी कार्यकर्ता पर डंडा नहीं चलाने की चेतावनी दी थी और कहा था कि वह उसी डंडे से जवाबी वार करेंगे।

पुलिस के मुताबिक, स्थानीय अदालत से मामले की जांच की अनुमति मिलने के बाद, शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एक उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर एक मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने बताया कि शोभा यात्रा के दौरान कथित रूप से भारी वाहनों का इस्तेमाल करने और तेज संगीत बजाने को लेकर भी सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

अहमदाबाद में मां ने नवजात बेटे के 'लगातार रोने' पर उसकी हत्या की, गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। यहां 22 वर्षीय एक महिला को अपने नवजात बेटे को भूमिगत पानी की टंकी में फेंक कर कथित रूप से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि वह उसके 'लगातार रोने' से परेशान थी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मेघानीनगर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर डी.बी. बसिया ने बताया कि करिश्मा बघेल ने पिछले शनिवार को दावा किया था कि उनका तीन महीने का बेटा ख्याल कहीं मिल नहीं रहा। इसके बाद उनके पति दिलीप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि तलाश के बाद पुलिस को सोमवार (सात अप्रैल) को अंबिकानगर इलाके में उनके घर के पानी के टैंक में बच्चे का शव मिला। बसिया ने बताया कि पुलिस को बाद में पता चला कि बच्चे को पानी की टंकी में फेंकने वाली मां ही थी। उन्होंने बताया कि उसे सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया गया।

जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ाकर 22 प्रतिशत करने की जरूरत : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी मौजूदा के 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 22 प्रतिशत करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण युवाओं का शहरों की ओर पलायन रोकने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, '' भारत की 65 प्रतिशत कामकाजी आबादी कृषि क्षेत्र से जुड़ी है। इस क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में केवल 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यदि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत से बढ़कर 22 प्रतिशत की जाए, तो कोई भी ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन नहीं करेगा।'' मंत्री ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए मृदा परीक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। गडकरी ने भारत में जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन के उत्पादन को प्रोत्साहित कर जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने की आवश्यकता का उल्लेख किया। भारत वर्तमान में हर वर्ष 22 लाख करोड़ रुपए मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है।

आरबीआई सोने के बदले कर्ज नियम को सख्त नहीं बल्कि सुसंगत बना रहा: गवर्नर मल्होत्रा

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि सोने के बदले कर्ज पर प्रस्तावित दिशानिर्देश नियमों को सख्त करने के बजाय उसे सुसंगत बनाएंगे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''दिशानिर्देश का मसौदा जल्द ही जारी किया जाएगा। मेरे विचार से, इसमें कोई सख्ती नहीं है। इसे केवल तर्कसंगत बनाया जा रहा है। यह मुख्य रूप से उनके तौर-तरीको को लेकर है। एनबीएफसी के लिए जो भी दिशानिर्देश थे, उन्हें अब बैंकों पर भी लागू किया जा रहा है।''

आरबीआई परामर्श के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा प्रकाशित करेगा और फिर प्रतिक्रिया के आधार पर इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

इससे पहले, मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए कहा कि सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर बैंक और एनबीएफसी उपभोग और आय-सृजन दोनों उद्देश्यों के लिए कर्ज देते हैं। उन्होंने कहा कि आरबीआई के दायरे में आने वाले संस्थानों में दिशानिर्देशों को सुसंगत बनाने के लिए, जहां तक संभव हो, उनकी अलग-अलग जोखिम लेने की क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए, हम ऐसे ऋण के लिए विवेकपूर्ण मानदंडों और आचरण-संबंधी पहलुओं पर व्यापक नियम जारी करेंगे।

पीएमकेएसवाई के तहत 1,600 करोड़ रुपए की एम-सीएडीडब्ल्यूएम उप-योजना को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वर्ष 2025-2026 की अवधि के लिए 1,600 करोड़ रुपए के प्रारंभिक परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की उप-योजना के रूप में कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वॉटर मैनेजमेंट (एम-सीएडीडब्ल्यूएम) के आधुनिकीकरण को मंज़ूरी दे दी।

इस योजना का उद्देश्य मौजूदा नहरों या निर्दिष्ट क्लस्टर में अन्य स्रोतों से सिंचाई के पानी की आपूर्ति के लिए सिंचाई जलापूर्ति नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना है।

एक सरकारी बयान के अनुसार, यह किसानों द्वारा स्थापित स्रोत से लेकर एक हेक्टेयर तक के खेतों तक, भूमिगत दबाव वाली पाइप सिंचाई के साथ सूक्ष्म सिंचाई के लिए मजबूत 'बैक-एंड' बुनियादी ढांचा तैयार करेगा।

मजीठिया ने पंजाब की आप सरकार पर हमला बोला, विस्फोट की एनआईए जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप)-नीत सरकार पर हमला करते हुए पंजाब में कानून-व्यवस्था के बिगड़ने का आरोप लगाया और भारतीय जनता पार्टी के नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर हुए विस्फोट की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की मांग की।

कालिया के जालंधर स्थित आवास पर सोमवार देर रात अज्ञात लोगों ने हथगोला फेंका, लेकिन घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि कालिया के आवास पर फेंके गए हथगोले के विस्फोट में एल्युमीनियम की दीवार (पार्टिशन), कांच की खिड़कियां, उनकी एसयूवी और एक मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने कहा कि यह घटना राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की आईएसआई और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों की साजिश थी। पुलिस ने बाद में इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया। कालिया का हालचाल जानने के लिए मजीठिया बुधवार को उनके आवास पर गए। मीडिया से बातचीत में मजीठिया ने भाजपा नेता के घर पर विस्फोट और इस तरह की अन्य घटनाओं के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की ''चुप्पी'' को लेकर उनपर निशाना साधा। मजीठिया ने पिछले कुछ महीनों में हुए विस्फोट की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, ''भगवंत मान के पास गृह विभाग है और उन्होंने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है।''

उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले कुछ महीनों में विस्फोट की 17 घटनाएं हुई हैं। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला करते हुए पूछा, ''क्या किसी ने देश के किसी राज्य में ऐसी कई घटनाओं के बारे में सुना है?'' अमृतसर और गुरदासपुर में पिछले चार-पांच महीनों में पुलिस चौकियों को निशाना बनाकर विस्फोट की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी प्रमुख नेता के आवास को निशाना बनाया गया। पिछले महीने अमृतसर में एक मंदिर के बाहर विस्फोट हुआ था।

रेपो दर घटाने का निर्णय आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए रणनीतिक कदम: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार दूसरी बार रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाने और 'उदार' रुख अपनाने के निर्णय को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए रणनीतिक कदम बताया है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के एमडी और सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा, वैश्विक व्यापार तनाव और शुल्क अनिश्चितताओं के बीच आरबीआई द्वारा लगातार दूसरी बार नीतिगत दर में कटौती का फैसला अर्थव्यवस्था के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा, सतर्क राजकोषीय प्रबंधन ने भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने में मदद की है। आज की 0.25% की कटौती उम्मीद के अनुरूप है। यह कदम उपभोक्ता धारणाओं को मजबूत करेगा और विशेष रूप से मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आवास की मांग को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा, किफायती आवास क्षेत्र को और बढ़ावा देगा और 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, हाल में मुद्रास्फीति में नरमी को देखते हुए, रेपो दर में 0.25% की कटौती अपेक्षित थी। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और जीडीपी वृद्धि, दोनों के लिए एमपीसी के चालू वित्त वर्ष (2025-26) के पूर्वानुमानों में 0.20 प्रतिशत की कमी और रुख को 'उदार' करने के साथ हम अगली तीन नीति समीक्षाओं में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की और कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। आनंद राठी ग्रुप के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने कहा कि आरबीआई ने नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती और मौद्रिक नीति के रुख को तटस्थ कर आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने का साफ संकेत दिया है। वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर भारत की वृद्धि और मुद्रास्फीति पर प्रभाव का आकलन करना अभी मुश्किल है, लेकिन केंद्रीय बैंक ने उन्हें स्पष्ट रूप से जोखिम के रूप में चिह्नित किया है।

ब्याज दर में और कटौती पर गवर्नर ने कहा, मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत का नहीं

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि 'मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत का संजय नहीं, जो भविष्य में ब्याज दरों में होने वाले बदलाव और मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ब्याज दरों में होने वाली कटौती के बारे में भविष्यवाणी कर सके।'

मल्होत्रा से एक संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया था कि क्या ब्याज दरों में आगे और कटौती होगा। गौरतलब है कि उन्होंने आरबीआई गवर्नर का पद संभालने के बाद लगातार दूसरी बार रेपो दर में कटौती की है।

महाभारत के अनुसार, संजय को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी और उन्होंने अपनी शक्ति का उपयोग करके कुरुक्षेत्र के युद्ध में हुई घटनाओं के बारे में नेत्रहीन राजा धृतराष्ट्र को बताया था। उन्होंने आगे कहा कि मौद्रिक नीति और राजकोषीय नीति वृद्धि तथा मुद्रास्फीति के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह एक संयुक्त प्रयास है... सरकार ने हाल ही में बजट में पूंजीगत व्यय में वृद्धि, कर छूट के कई उपाय करके अपना काम किया है और हमने रेपो दर को कम किया है।''

वक्फ संशोधन अधिनियम धर्म की स्वतंत्रता पर हमला और संविधान विरोधी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि संसद से पारित वक्फ संशोधन अधिनियम धर्म की स्वतंत्रता पर हमला और संविधान विरोधी कदम है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने यहां पार्टी के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश की जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से तंग आ चुकी है और अब बदलाव होने वाला है।

राहुल गांधी ने कहा, वक्फ विधेयक (अधिनयम) धर्म की स्वतंत्रता और संविधान पर हमला है। यह संविधान विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस से जुड़ी पत्रिका 'आर्गेनाइजर' में ईसाइयों की भूमि को निशाना बनाने की बात की गई है तथा आगे सिख समुदाय के साथ भी ऐसा होगा। राहुल गांधी ने दावा किया देश भारतीय जनता पार्टी से तंग आ गया है और बिहार के विधानसभा चुनाव में यह दिखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, आने वाले समय में बदलाव होने वाला है, लोगों का मूड दिख रहा है। उनके द्वारा संसद में भी जाति जनगणना की मांग उठाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण के रूप में क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। राहुल ने कहा, यह पता लगाना मकसद है कि कितनी किसकी भागीदारी है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने इस बात को दोहराया कि केंद्र में कांग्रेस और विपक्ष की सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाएगी।

साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि निजी क्षेत्र में देश की 90 फीसदी आबादी की भागीदारी ना के बराबर है। उन्होंने कहा कि आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार को तोड़ा जाएगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए दरवाजे बंद कर रहा है।

संसद में तमिल के इस्तेमाल की वकालत करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुमारी अनंतन का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/पुडुचेरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तमिल भाषा के कुशल वक्ता कुमारी अनंतन का निधन हो गया। उनके परिवार ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुमारी अनंतन ने संसद को तमिल भाषा में संबोधित करने के व्यवस्था बनाने के लिए संघर्ष किया और इसमें सफलता भी पाई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और सांसद व एमडीएमके नेता वाइको ने संसद में तमिल में बोलने का अधिकार दिलाने में अनंतन की महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया।

कुमारी अनंतन (92) का निधन मंगलवार रात करीब 12 बजकर 15 मिनट पर हुआ। वह तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के पूर्व अध्यक्ष भी रहे। उनके परिवार में उनका एक बेटा और भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) नेता एवं तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन समेत चार बेटियां हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा: थिरु कुमारी अनंतन जी को समाज के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा और तमिलनाडु की प्रगति के प्रति जुनून के लिए याद किया जाएगा।

उन्होंने तमिल भाषा और संस्कृति को लोकप्रिय बनाने के लिए भी कई प्रयास किए। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।''

तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी, वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन और अन्य नेताओं ने सुंदरराजन के आवास पर जाकर दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने शोक संदेश में स्टालिन ने कहा कि अनंतन का निधन तमिल समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है और उन्होंने राजकीय सम्मान के साथ दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार की घोषणा की।

अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी, टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई, भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई, भाकपा और माकपा के राज्य सचिव क्रमशः आर. मुथरासन और पी. शनमुगम, वाइको, पीएमके संस्थापक एस रामदास, डीएमडीके महासचिव प्रेमलता विजयकांत, एएमएमके प्रमुख टीटीवी दिनाकरण और तमिलगा वेत्री कषगम प्रमुख विजय ने कुमारी अनंतन की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

तमिलनाडु विधानसभा में अध्यक्ष एम. अप्पावु द्वारा शोक संदेश पढ़े जाने के बाद सदस्यों ने दिवंगत नेता के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। कन्याकुमारी जिले के अगस्त्येश्वरम में 19 मार्च 1933 को जन्मे अनंतन 1977 में नागरकोइल निर्वाचन क्षेत्र से संसद के लिए चुने गए और वे गांधीवादी आदर्शों के प्रचार-प्रसार के लिए अपनी पदयात्राओं के लिए जाने जाते हैं।

तमिलिसाई सुंदरराजन ने अपने पिता के बेदाग राजनीतिक जीवन, तमिल भाषा के प्रति प्रेम और सिद्धांतवादी एवं अनुशासित जीवन को याद किया। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने उन्हें तमिल भाषा का पैरोकार' बताया, जिन्होंने तमिल भाषा, संस्कृति और तमिलों के कल्याण के प्रचार-प्रसार में बहुत योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी मृत्यु तमिल समुदाय के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. नारायणसामी ने कुमारी को एक त्यागी' बताते हुए कहा कि उनका पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और कांग्रेस के दिग्गज नेता के. कामराज से करीबी संबंध था।

ट्रेन सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने राजनांदगांव-कलमना तीसरी लाइन कार्य के संबंध में गोंदिया स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल चालू करने के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के कारण ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव के लिए अधिसूचना जारी की है। कई ट्रेन सेवाएं उन दिनों रद्द रहेंगी। जिसमें ट्रेन संख्या 22648 तिरुवनंतपुरम उत्तर-कोरबा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 01 मई को 06.15 बजे तिरुवनंतपुरम उत्तर से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। 03 मई को 19.40 बजे कोरबा से निकलने वाली ट्रेन संख्या 22647 कोरबा-तिरुवनंतपुरम उत्तर सुपरफास्ट एक्सप्रेस पूरी तरह रद्द है। ट्रेन संख्या 22815 बिलासपुर-एर्नाकुलम जंक्शन सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 05 मई को बिलासपुर से 08.15 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22816 एर्नाकुलम जंक्शन-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 07 मई को एर्नाकुलम जंक्शन से 08.40 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 04 मई को तिरुनेलवेली से 01.25 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 06 मई को बिलासपुर से 08.15 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12851 बिलासपुर-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 04 मई को बिलासपुर से 08.45 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12852 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-बिलासपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 05 मई को 15.40 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। वहीं कुछ रेल सेवाओं के मार्ग में परिवर्तन किया जाएगा। ट्रेन संख्या 16367 कन्याकुमारी-बनारस काशी तमिल एक्सप्रेस 24 अप्रैल और 01 मई को 20.30 बजे कन्नियाकुमारी से प्रस्थान कर रही है, जिसे बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी और जबलपुर के रास्ते चलाया जाएगा। 27 अप्रैल और 04 मई को बनारस से 16.20 बजे छूटने वाली ट्रेन संख्या 16368 बनारस-कन्याकुमारी काशी तमिल एक्सप्रेस को जबलपुर, इटारसी, नागपुर और बल्हारशाह के रास्ते चलाया जाएगा। 27 अप्रैल और 04 मई को गया से 05.30 बजे निकलने वाली ट्रेन संख्या 12389 गया-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस को जबलपुर, इटारसी, नागपुर और बल्हारशाह के रास्ते चलाया जाएगा। 29 अप्रैल और 06 मई को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 09.15 बजे रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 12390 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-गया एक्सप्रेस को बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी और जबलपुर के रास्ते चलाया जाएगा।

स्टालिन ने तमिलनाडु को 'नीट' से छूट मिलने का भरोसा जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) ऐसी परीक्षा नहीं है, जिससे राज्य को छूट नहीं दी जा सकती। मुख्यमंत्री ने कानूनी तरीकों से राज्य को इससे छूट मिलने का विश्वास जताया। स्टालिन ने विधायक दल के नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने 13 सितंबर, 2021 को नीट विरोधी विधेयक का प्रस्ताव रखा था और पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा गया था।

उन्होंने कहा, राज्यपाल को तुरंत विधेयक राष्ट्रपति के पास भेज देना चाहिए था। मैं दुख के साथ कहना चाहता हूं कि उन्होंने अपना संवैधानिक कर्तव्य पूरा किए बिना राजनीति करनी शुरू कर दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने विधेयक को मंजूरी दिलाने के लिए पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी। इन परिस्थितियों में, एक फरवरी, 2022 को उन्होंने विधेयक वापस भेज दिया। तुरंत, पांच फरवरी, 2022 को विधायक दल के नेताओं की ऐसी ही बैठक हुई और एक बार फिर से लौटाए गए विधेयक को पारित करने और इसे नए सिरे से राज्यपाल को भेजने का निर्णय लिया गया। आठ फरवरी, 2022 को विधेयक को फिर से स्वीकृति मिली और इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में राज्यपाल, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की और शीघ्र मंजूरी का अनुरोध किया। सभी पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

स्टालिन ने कहा कि नीट विरोधी विधेयक राज्यपाल द्वारा केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा गया था और यह बात उन्होंने चार मई, 2022 को विधानसभा के पटल पर बताई थी। राज्य सरकार ने केंद्रीय मंत्रालयों को सभी उचित स्पष्टीकरण दिए, लेकिन केंद्र ने नीट विरोधी विधेयक को मंजूरी देने से मना कर दिया। स्टालिन ने कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने सदन को केंद्र द्वारा नीट विरोधी विधेयक को मंजूरी देने से मना करने के बारे में सदन (विधानसभा) को सूचित किया था।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने टेक्सास स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पांडिचेरी विश्वविद्यालय और टेक्सास स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस समझौते का उद्देश्य विभिन्न विषयों में दोहरी डिग्री कार्यक्रमों, छात्र और संकाय आदान-प्रदान और सह-मेजबानी शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के निदेशक (अध्ययन) प्रो. के. थारानिकरसु ने इस साझेदारी के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह वैश्विक शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने की विश्वविद्यालय की आकांक्षा के अनुरूप है। उन्होंने कहा, यह समझौता ज्ञापन उच्च शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा और सहयोगी अनुसंधान के लिए समृद्ध अवसर खोलता है। टेक्सास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए मैकक्कॉय कॉलेज ऑफ बिजनेस के डीन प्रोफेसर संजय रामचंदर ने साझेदारी के बारे में उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने इस समझौते को 'रेड लेटर डे' बताया और साझा शैक्षणिक दृष्टिकोण और मूल्यों वाले भागीदार के रूप में पांडिचेरी विश्वविद्यालय की प्रशंसा की। मैकक्कॉय कॉलेज ऑफ बिजनेस के सहायक डीन डॉ. सेठ फ्रे ने पीयू के छात्रों के साथ बातचीत के अपने सकारात्मक अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे इस तरह के सहयोग से छात्रों के परिणामों और करियर की संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

अपने संबोधन में, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के डीन (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) प्रो. एस. विक्टर आनंदकुमार ने विश्वविद्यालय की बढ़ती वैश्विक पहुंच और टीएसयू के साथ समानताओं और संभावित तालमेल के बारे में बात की, क्योंकि यह एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय है जो अपने छात्र समुदाय में बड़ी संख्या में पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह साझेदारी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के संपर्क में आने में सक्षम बनाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि पीयू बदलते वैश्विक शिक्षा परिदृश्य में प्रतिस्पर्धी बना रहे। एमओयू समन्वयक और वाणिज्य विभाग के संकाय सदस्य प्रो. डैनियल लाजर ने समझौते के समावेशी दायरे के बारे में विस्तार से बताया। यह एक विश्वविद्यालय-व्यापी एमओयू है जिसे पांडिचेरी विश्वविद्यालय के सभी विभागों और स्कूलों को लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य ध्यान छात्रों और संकाय दोनों के लिए संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों और गतिशीलता पर है। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन और वाणिज्य विभाग के प्रमुख प्रो. पी. नटराजन ने इस विकास पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिदृश्य पर इस साझेदारी के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डाला। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में दोनों संस्थानों के संकाय और प्रतिनिधि उपस्थित थे। यह सहयोग भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक जीवंत, ज्ञान-संचालित साझेदारी की नींव रखता है।

मंत्री के रूप में नियुक्ति से जमानत की किसी शर्त का उल्लंघन नहीं हुआ : सेंथिल बालाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रमुक नेता वी सेंथिल बालाजी ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि तमिलनाडु में कैबिनेट मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति धनशोधन के एक मामले में शीर्ष अदालत द्वारा उन पर लगाई गई जमानत शर्तों का उल्लंघन नहीं करती और उन्हें जनादेश के बाद राजनीतिक पद लेने के लिए दंडित नहीं किया जा सकता। बालाजी को 26 सितंबर, 2024 को शीर्ष अदालत ने जमानत दी थी। उन्होंने एक हलफनामे में उस याचिकाकर्ता की मंशा पर सवाल उठाया, जिसने उनकी जमानत के आदेश को वापस लेने की अपील की थी। बालाजी ने आरोप लगाया कि यह आवेदन बदला लेने के मकसद से विपक्ष के इशारे पर दाखिल किया गया हो सकता है।

उनके हलफनामे में कहा गया है, ''यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रतिवादी संख्या 2 (बालाजी) की मंत्री के रूप में नियुक्ति न तो 26 सितंबर, 2024 के फैसले के पैरा 31 में निर्धारित जमानत शर्तों के प्रतिकूल थी और न ही यह किसी कानून के विरोधाभासी थी।''

बालाजी ने जवाब में आगे कहा, वास्तव में, आवेदक के. विद्या कुमार ने इस आवेदन में यह भी नहीं कहा है कि प्रतिवादी संख्या 2 के मंत्री बनने के बाद, किसी भी गवाह पर किसी भी तरह का प्रभाव डाला गया। उन्होंने कहा, जमानत शर्तों को बदलने के किसी भी प्रयास में यह विचार करना आवश्यक होगा कि प्रतिवादी संख्या 2 को लोकप्रिय जनादेश प्राप्त है तथा लोकप्रिय जनादेश के अनुसरण में राजनीतिक पद लेने के लिए उन्हें दंडित नहीं किया जा सकता।

मंत्रिमंडल ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु में तिरुपति-पाकला-काटपाडी रेल लाइन खंड के दोहरीकरण को मंजूरी दी

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल की समिति ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 104 किलोमीटर लंबे तिरुपति-पाकला-काटपाडी एकल रेल लाइन खंड के दोहरीकरण को मंजूरी दी है।

सरकार ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इसकी कुल लागत लगभग 1,332 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा, जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता बढ़ेगी।

सरकार के अनुसार, इस प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी। सरकार की ओर से बयान में कहा गया, ''यह परियोजना बहु-मॉडल संपर्क के लिए प्रधानमंत्री-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत लाई गई है, जो यात्रियों, माल और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क देगी।''

इसमें कहा गया कि दो राज्यों - आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तीन जिलों को शामिल करने वाली यह परियोजना भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 113 किलोमीटर तक बढ़ाएगी। सरकार ने पर्यटन क्षेत्र के लिए इसके महत्व के बारे में कहा कि तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर से संपर्क के साथ ही परियोजना श्री कालहस्ती शिव मंदिर, कनिपकम विनायक मंदिर, चंद्रगिरी किला आदि को भी रेल मार्ग से अच्छी तरह जोड़ती है।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम - परमाणु ऊर्जा विभाग)

नियमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन हेतु शुद्धिपत्र संख्या 2

नयमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन सं. CO/HRM/32/2025 के संदर्भ में निम्नलिखित परिवर्तन शामिल किए गए हैं:

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि और समय को 17 अप्रैल, 2025 (14:00 बजे) तक बढ़ा दिया गया है। विज्ञापन सं. CO/HRM/32/2025 के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगे।

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों को, उपर्युक्त संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु आईआरईएल की वेबसाइट (www.irel.co.in) के करियर अनुभाग में जाने हेतु सलाह दी जाती है।

स्थान: मुंबई
दिनांक: 09.04.2025
CBC 48129/12/0001/2526

हस्ताक्षरित
मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.)

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)

प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फोन : 080-28094184, 4196, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-02/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-03/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-04/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-07/2025-26 दिनांक 09.04.2025
कार्य का नाम :	एससीसी परिसर इस्ट्रैक, बेंगलूरु में प्रधान पी एंड जीए कक्ष और कार्यालय का नवीनीकरण तथा पुराने लेखा कार्यालय को नए सीएमजी कार्यालय में परिवर्तित करना। (सिविल कार्य)	एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में विभिन्न अनुभागों के वरिष्ठ अभियंता कक्षों का नवीनीकरण (सिविल कार्य)	एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु के प्रवेश द्वार पर प्रस्तावित कैनोपी (सिविल वर्क्स)	इसरो हाउसिंग, जालाहल्ली, बेंगलुरु में मौजूदा गीले अपशिष्ट खाद इकाई को नष्ट करना तथा आरसीसी पेडस्टल के साथ 250 किलोग्राम क्षमता वाली पूर्ण स्वचालित जैविक गीले अपशिष्ट खाद इकाई की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग करना। (सिविल वर्क्स)
निविदा का अनुमानित मूल्य :	रु. 24.50 लाख	रु. 24.80 लाख	रु. 23.93 लाख	रु. 12.98 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
पूरा करने की अवधि :	02 (दो) माह	02 (दो) माह	04 (चार) माह	03 (तीन) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 49,000/-	रु. 49,600/-	रु. 47,860/-	रु. 25,960/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख - सीएमजी

अन्नदाता किसान का सम्मान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का शुभारंभ किया। शर्मा ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में सरसों के लिए एमएसपी 5 हजार 950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5 हजार 650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में सरसों का एमएसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसमें हमारी सरकार ने 900 रुपये तक की बढ़ोत्तरी की है। साथ ही एमएसपी पर खरीद के लिए प्रति किसान 25 क्विंटल की सीमा को बढ़ाकर 40 क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने सवा साल के समय में अब तक 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की है जबकि पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की थी। हमारी सरकार ने मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 5 हजार 850 रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है।

इसी दिशा में हमारी सरकार ने गेंहू के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बोनस को बढ़ाकर 150 रुपये एवं किसान सम्मान निधि को छह हजार रुपये से बढ़ाकर नौ हजार रुपये किया है। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

कांग्रेस ने किया किसानों और युवाओं के साथ विश्वासघात : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार का संकल्प है कि किसानों के जीवन में समृद्धि लाने के लिए उसकी उपज का उचित मूल्य मिले और वह किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है तथा प्रदेश में पानी की समस्या को हल करने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाने सहित संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही हैं जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय किसानों से झूठे वादे किए गए और युवाओं के साथ भी विश्वासघात किया गया।

शर्मा अपनी हनुमानगढ़ एवं गंगानगर की दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न संवाद कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि अन्नदाता को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आए। हमारा लक्ष्य है कि फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद और उसका समय पर भुगतान हो।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के लिए सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। हमारी सरकार किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि गंगानगर की भूमि किसानों की भूमि है। यहां के किन्नू का स्वाद पूरी दुनिया को भाता है। उन्होंने कहा कि नहर एवं सिंचाई प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने कल हरिके से लेकर लोहागढ़ एवं लखुवाली हेड तक निरीक्षण किया तथा आज वे शिवपुर हेड का निरीक्षण करेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की।

जबकि हमारी सरकार बनने के बाद 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की जा चुकी है। ऐसे ही, पिछली सरकार में मूंगफली का समर्थन मूल्य 5 हजार 850 रुपये था जिसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वर्ष 2022-23 में सरसों का एममसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसे भी हमारी सरकार ने बढ़ाकर अब 5 हजार 950 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। हमारी किसान हितैषी सरकार द्वारा चना भी 5 हजार 650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी पर खरीदा जाएगा।

रामदेवरा गोडावण संरक्षण केन्द्र पर पहला चूजा ने लिया जन्म

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के रामदेवरा में स्थापित ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण एवं कंजरवेशन केन्द्र पर कृत्रिम प्रजनन से पहला चूजा ने जन्म लिया है। धरती पर तेजी से लुप्त हो रहे शेड्यूल फर्स्ट के वन्य जीव प्राणी दी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण एवं आबादी बढ़ाने के लिए वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया एवं राज्य सरकार द्वारा बस्टर्ड प्रोग्राम के तहत रामदेवरा में वर्ष 2022 में यह केंद्र सथापित किया था। इस केन्द्र पर सोमवार गोडावण पहले चूजे ने जन्म लिया।

इसको मिलाकर केपेटिव ब्रीडिंग से जन्मे गोडावण का आंकड़ा 51 पहुंच गया है तथा 2025 में अभी तक यह सातवां चूजा पैदा हुआ है।

अभी तक पिछले दो सालों में केपेटिव ब्रीडिंग प्रोग्राम में जितने भी 50 चूजे पैदा हुए वे सभी जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में सिथित सम संरक्षण केन्द्र पर जन्मे है। रामदेवरा ब्रीडिंग एवमं कंजरवेशन सेंटर में ये पहला चूजा पैदा हुआ है। अब रामदेवरा में 29 एवं सुदासरी (सम) में 22 गोडावण हो गए हैं। गौरतलब है इससे पहले गत 2 अप्रैल को सुदासरी ब्रीडिंग सेंटर में एक ही दिन में 3 गोडावण चिक पैदा हुए थे।

नवकार मंत्र विश्व कल्याण से जुड़ी प्रार्थना : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने नवकार मंत्र को स्तुति से युक्त सर्व कल्याण प्रार्थना बताते हुए कहा है कि यह ध्यान का ज्ञान है और यह विश्व कल्याण के साथ बाधाओं के निवारण का आदि मंत्र है। बागड़े बुधवार को जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा आयोजित विश्व नवकार मंत्र दिवस पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व नवकार मंत्र दिवस भारत की अध्यात्म परम्परा में निहित विश्व शांति की सामूहिक भावना का द्योतक है। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन मंत्रों की साधना से ही जुड़ा है। मंत्र का अर्थ होता है, पवित्र उच्चारण। इससे धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक भावों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने जैन परंपरा में तीर्थंकरों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन का आदर्श मार्ग प्रदान किया। तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि के मार्ग से जीवन को धन्य करने की शिक्षा तीर्थंकरों ने दी। नवकार मंत्र इसी परंपरा का बहुत पावन भारतीय संस्कार है। यह मानव कल्याण से जुड़ा है। राज्यपाल ने इससे पहले नमोकार मंत्र का उच्चारण करते हुए कहा कि इस मंत्र को समझकर और भक्तिपूर्वक जपने से आदिनाथ का ध्यान ही नहीं होता जीवन की तमाम समस्याओं के समाधान का मार्ग खुल जाता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने सर्वे भवन्तु सुखिन की भारतीय सोच का प्रसार करने का भी आह्वान किया।

शर्मा ने गंगनहर परियोजना के शिवपुर हैड का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अन्तर्गत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने शिवपुर हैड का निरीक्षण करने के पश्चात कहा कि राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है ताकि अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक भी पर्याप्त नहरी पानी पहुंचा कर किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में नहरी जल पर निर्भरता को देखते हुए राज्य सरकार ने आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए गत दोनों बजट में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए गंगनहर प्रणाली में क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सीसी लाइनिंग, फीडर पुनर्निर्माण, ऑटोमेशन आदि के 1195 करोड़ रुपए के कार्य करवाएं जाएंगे, जिससे सीपेज लॉस में कमी आएगी और किसानों को उनके हक का पूरा पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि 200 करोड़ रुपए की लागत से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य की डीपीआर तैयार कर केन्द्रीय जल आयोग को भिजवाई जा चुकी है। यह कार्य पूरा होने पर श्रीगंगानगर क्षेत्र में खेतों को समय पर और भरपूर पानी मिल सकेगा। इसी प्रकार, 300 करोड़ रुपए की लागत से बीकानेर कैनाल के पंजाब में स्थित भाग (आर.डी. 45 से 368) की सीसी लाइनिंग, ग्रेवल रोड तथा पटड़ों के निर्माण कार्यों की डीपीआर शीघ्र ही पंजाब सरकार द्वारा बनवा ली जाएगी। इसके लिए पंजाब सरकार को पत्र लिखा जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगनगर प्रणाली में कृषि, शहरी और औद्योगिक जरूरतों के लिए नहरी जल का बेहतर प्रबंधन करने के लिए 695 करोड़ रुपए की लागत से ऑटोमेशन की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। इसके वित्त पोषण के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भिजवाया गया है। उन्होने कहा कि ऑटोमेशन सिस्टम स्थापित होने से आरम्भिक छोर (हेड रीच) और अंतिम छोर (टेल रीच) पर समान रूप से पानी उपलब्ध हो सकेगा तथा अधिक पानी के कारण भूमि की उर्वरता में कमी एवं सेम की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गंग कैनाल ऐप और गंगनहर रेग्युलेशन पोर्टल का निर्माण भी किया गया है, जिससे नहर खुलने और बंद होने की जानकारी उनके मोबाइल पर उपलब्ध हो सकेगी। काश्तकारों में बारी के विवादों के समाधन के लिए बाराबंदी सॉफ्टवेयर भी तैयार किया जा चुका है।

विद्यालयों में बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास हो : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विद्यालयों को बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन को गढ़ती है, वही समाज आगे बढ़ता है जो शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होता है।

बागड़े बुधवार को मानसरोवर स्थित दीप प्रेक्षागृह में स्कूल शिक्षा परिवार द्वारा आयोजित एक निजी विद्यालय के उद्धाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा की नींव विद्यालय ही तैयार करते हैं। पर विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने के केंद्र ही नहीं हों बल्कि वहां विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण का कार्य भी हो।

उन्होंने विद्यालयों मे बच्चों को राष्ट्रप्रेम, नैतिक मूल्य और आदर्श जीवन चरित्र की शिक्षा प्रदान किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने इस दौरान प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा, गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त के जनक भारत के होने, भास्कराचार्य द्वारा की गयी खोजों और सभी क्षेत्रों में भारत के अग्रणी रहने के उदाहरण देते हुए शिक्षकों का आह्वान किया कि वे नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान-विरासत से जोड़े।

बागड़े ने नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों का जीवन गढ़ने वाली है। इसको विद्यालय व्यावहारिक रूप में अपने यहां लागू करे।

वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को फटकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने झालावाड़ जिले में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई है। दो बार राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकीं राजे ने जिले के दौरे के दौरान क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट की शिकायतें मिलने के बाद अधिकारियों को फटकार लगाई और जल जीवन मिशन के तहत वहां खर्च किए गए एक-एक पैसे का हिसाब मांगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत 42,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। एक-एक पैसे का हिसाब दीजिए- झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया? हमारी सरकार पेयजल संकट को दूर करने के लिए धनराशि मुहैया करा रही है, लेकिन अधिकारी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर रहे हैं।

झालरापाटन से पांचवीं बार की विधायक राजे ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, इसलिए राजस्थान की जनता प्यास से व्याकुल है। अप्रैल में यह हाल है, जून-जुलाई में क्या होगा? उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। राजे ने चेतावनी दी, लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। झालावाड़ में ऐसा कभी नहीं चलेगा। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वह क्षेत्र में ऐसी स्थिति नहीं बनने देंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में लिखा, क्या जनता को प्यास नहीं लगती? प्यास तो सिर्फ आप अधिकारियों को लगती है। गर्मी में पेयजल संकट से जनता परेशान है। अधिकारी संतुष्ट हैं। पानी कागजों पर नहीं, बल्कि लोगों के मुंह तक पहुंचना चाहिए। अधिकारी सो रहे हैं, जनता हाहाकार कर रही है। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। हालांकि, स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने राजे द्वारा अधिकारियों को फटकार लगाने को 'झूठा दिखावा' करार दिया। कांग्रेस सेवादल झालावाड़ के जिला अध्यक्ष नंद सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि झालावाड़ के सभी अधिकारी - जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, इंजीनियर, ठेकेदार - राजे के आदमी हैं।

जेडीए के अतिक्रमण हटाओ अभियान का विरोध, पूर्व डीजीपी हिरासत में लिए गए

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की टीमें बुधवार को सिरसी रोड पर 2.5 किलोमीटर के इलाके से अवैध निर्माण हटाने पहुंचीं। हालांकि जेडीए के इस अभियान के दौरान उसकी टीम को लोगों के विरोध का सामना भी करना पड़ा। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नवदीप सिंह ने भी अपने मकान का अवैध हिस्सा ढहाए जाने पर विरोध किया। इस पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक गोपाल शर्मा भी जेडीए की कार्रवाई का विरोध करने मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से नोकझोंक की। शर्मा ने कहा, पिछले चार दिन से जनता में दहशत का माहौल है। बिना नोटिस के सड़कों के विस्तार का काम किया जा रहा है। 'अतिक्रमण हटाओ' टीम ने महिला के साथ बदसलूकी की। उन्होंने कहा कि अफसरशाही और व्यवस्था भाजपा सरकार के खिलाफ काम कर रही है और यह स्थिति सरकार के अनुकूल नहीं है। स्थानीय महिलाओं ने भी कार्रवाई का विरोध किया।

किसी भी व्यक्ति की हीट वेव से न हो मौत : मीणा

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को शासन सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य में बढ़ती गर्मी, संभावित हीट वेव और अन्य मौसमी आपदाओं से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान डॉ. किरोडी लाल ने वीसी के माध्यम से विभिन्न जिलों के जिला कलेक्टरों से व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक संसाधनों के साथ पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि हीट वेव से प्रभावित लोगों के लिए प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में पेयजल की नियमित आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति की स्थिरता और विद्यालयों में दोपहर की छुट्टी या समय परिवर्तन, डिहाईड्रेशन से बचने के लिए जगहजगह ओआरएस केन्द्र, मनरेगा के साथ अन्य निजी फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के समय में परिवर्तन तथा पानी और छाया जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

डॉ.मीणा ने कहा कि आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाए, गर्मी से विशेष रूप से प्रभावित वर्गों जैसे निर्माण श्रमिक, बुजुर्ग एवं बच्चों के लिए अतिरिक्त सावधानियाँ बरती जाए। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार हीट वेव लम्बे समय तक रहेगी, इस कारण सभी विभाग अलर्ट रहें और सुनिश्चत करें कि किसी भी व्यक्ति कि इस गर्मी में हीट वेव के कारण मौत न हो। बैठक में आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार, पंचायती राज (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड सहित जलदाय विभाग, बिजली विभाग एवं शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बंगाल में नौकरियां गंवाने वाले शिक्षकों का प्रदर्शन, पुलिस के साथ हुई झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के परिणामस्वरूप अपनी नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों और अन्य गैर-शिक्षण कर्मचारियों के एक वर्ग ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनों के दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कोलकाता में सुरक्षाबलों द्वारा उन पर लाठीचार्ज किया गया तथा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में, भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के साथ उस निर्धारित बैठक को रद्द कर दिया जो बातचीत के माध्यम से शिक्षक भर्ती संकट को हल करने के लिए बुलाई गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गंगोपाध्याय को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को संबोधित एक पत्र बसु को सौंपना था, जिसमें पात्र शिक्षकों की नौकरियों को बचाने के लिए एक तंत्र खोजने में मदद करने के लिए समिति बनाने के उनके सुझाव शामिल थे। कोलकाता के कसबा क्षेत्र में लगभग 150-200 प्रदर्शनकारी जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआई) के कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए तथा अपनी बहाली और अधिकारी से मुलाकात की मांग की। विरोध प्रदर्शन उस समय अराजक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर अवरोधक तोड़ दिए और गेट बंद देख जबरन परिसर में घुस गए। कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने राज्य सचिवालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि घटना में कम से कम छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा, हम शिक्षकों से अनुरोध करेंगे कि जब भी उन्हें कोई विरोध प्रदर्शन करना हो या प्रतिवेदन प्रस्तुत करना हो तो हम स्वयं इसमें सहयोग करेंगे। हम शिक्षकों के खिलाफ नहीं हैं और उनका सम्मान करते हैं तथा उनके प्रति सहानुभूति रखते हैं।

कोलकाता पुलिस ने दावा किया कि भीड़ को तितर-बितर करने तथा और अधिक चोट एवं संपत्ति की क्षति को रोकने के लिए उसे हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, अनियंत्रित भीड़ ने कसबा पुलिस डीआई कार्यालय के बाहर महिला पुलिसकर्मियों सहित पुलिस के जवानों पर अकारण हिंसक हमला कर दिया। चार पुरुष और दो महिला पुलिसकर्मी घायल हो गए जिनका इलाज हो रहा है। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने और चोटों तथा संपत्ति की क्षति को रोकने के लिए हल्का बल प्रयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। घटना की जांच जारी है। प्रदर्शनकारियों ने हालांकि दावा किया कि पुलिस ने उनके शांतिपूर्ण प्रदर्शन को खत्म कराने के लिए लाठीचार्ज किया।

इस संबंध में एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम योग्य हैं, इसीलिए हमारी नियुक्ति हुई है। हमने गलत तरीके से अपनी नौकरी खो दी और अब पुलिस शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने पर हमें पीट रही है।

मथुरा में शस्त्र लाइसेंस के लिए पौधारोपण अनिवार्य किया गया

मथुरा (उप्र)/भाषा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए यहां के जिला प्रशासन ने शस्त्र लाइसेंस बनवाने, नवीनीकरण और हस्तांतरण के लिए पहले 10 पौधे लगाना, उन पौधों की जीओ टैगिंग कराना अनिवार्य कर दिया है। इतना ही नहीं, इन सभी पौधों के संरक्षण एवं हर प्रकार से रखरखाव की जिम्मेदारी भी आवेदनकर्ता की होगी।

जिला सूचना विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के हित में एक नया फैसला लेते हुए अब शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन करने, हस्तांतरण या नवीनीकरण कराने के लिए जिले में कहीं भी स्थित अपनी अथवा सार्वजनिक भूमि पर 10 पौधे लगाने की शर्त लगा दी है। पौधे लगाने की पुष्टि के लिए आवेदक को पौधों की जीओ टैगिंग भी करानी होगी। यह शर्त शस्त्र लाइसेंस के लिए पूर्व की सभी शर्तों को भी मानने के साथ ही लागू होगी। इससे आवेदक अपनी आवश्यकतानुसार सुविधा तो पाएंगे ही, वे जिले के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अपेक्षित योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक अहम कदम होगा। पौधे लगाने के लिए हम सबको जागरूक होना होगा, तभी इनका संरक्षण हो सकता है।

नमोकार महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक दुखों से मुक्ति दिलाता है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'विश्व नमोकार महामंत्र दिवस' पर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ।

बुधवार को गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 'जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन' द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति ना केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है।

मुख्यमंत्री ने कहा ''पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा। सभी लोगों को जैन धर्म के उपदेशों को आत्मसात करना चाहिए।''

चुनाव जीतने हैं तो 'कट्टर कांग्रेसियों' को आगे लाना होगा: गोगोई

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बुधवार को कहा कि यदि आगे आने वाले विधानसभा चुनाव जीतने हैं तो कट्टर कांग्रेसियों को आगे लाना होगा।

गोगोई ने यहां पार्टी के अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी के एक हालिया बयान का उल्लेख किया, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि उन लोगों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा जिनका एक पैर कांग्रेस और दूसरा पैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में होता है।

लोकसभा सदस्य ने कहा, ''राहुल गांधी जी जब गुजरात दौरे पर आए थे, उन्होंने कहा था कि जिन लोगों का एक पैर कांग्रेस में और दूसरा किसी और पार्टी में है, उनकी पहचान कर उन्हें कांग्रेस से बाहर करना होगा।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''अगर हमें आने वाले समय में विधानसभा चुनाव जीतने हैं तो ऐसे कट्टर कांग्रेसियों को आगे लाना होगा जो हर धमकी या लालच के बाद भी कांग्रेस से जुड़े हुए हैं।'' लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि अगर हम कट्टर कांग्रेसियों को आगे बढ़ाएंगे तो हर विधानसभा चुनाव में हमारी जीत दर्ज होगी।''

अयोध्या मंदिर में राम दरबार छह जून से श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा : नृपेंद्र मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

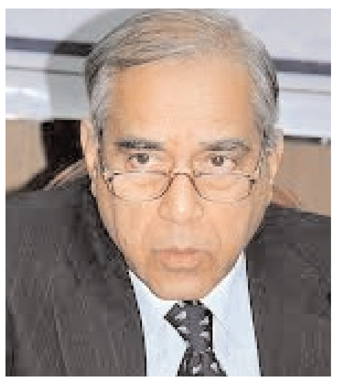

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर में अगले महीने राम दरबार स्थापित किया जाएगा जिसे श्रद्धालुओं के लिए छह जून से खोला जाएगा। हालांकि यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह जैसा नहीं होगा। मंदिर निर्माण समिति के प्रमुख नृपेंद्र मिश्र ने यह जानकारी दी है।

यह आयोजन, 2020 में शुरू हुए मंदिर निर्माण के पूरा होने से भी जुड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 2024 में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। मिश्र ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, राम लला की प्राण प्रतिष्ठा इस मंदिर के भूतल पर 2024 में हो चुकी है। अब राजा राम को प्रथम तल पर राम दरबार में विराजमान करने की बारी है। अनुमान है कि भगवान राम, उनके भाइयों और माता सीता की प्रतिमाएं अयोध्या पहुंचेंगी और 23 मई को मंदिर के प्रथम तल पर इन्हें स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, जब भगवान राम की प्रतिमा उनके दरबार में स्थापित होंगी तो स्वभाविक है कि एक धार्मिक समारोह के बाद ही यह होगा। यहां पूजा होगी, लेकिन इसे प्राण प्रतिष्ठा कहना ठीक नहीं होगा क्योंकि प्राण प्रतिष्ठा पहले ही हो चुकी है। हां, राम दरबार को आम श्रद्धालुओं के लिए खोलने से पूर्व अलग अलग तरह की पूजा होगी। यह पूजा पांच-जून को संपन्न होगी।

मिश्र ने कहा कि 23 मई और पांच जून की तिथियों का अपना ज्योतिषीय योग है। इसलिए 23 मई को स्थापना करने और पांच जून को पूजा संपन्न होने के बाद राम दरबार को आम लोगों के लिए खोलने का निर्णय किया गया है। करीब पांच फुट की राम की प्रतिमा जयपुर में सफेद संगमरमर से तैयार की गई है और इसे राम दरबार में स्थापित किया जाएगा। यहां सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान की भी प्रतिमाएं होंगी। यह पूछे जाने पर क्या प्राण प्रतिष्ठा समारोह जैसा कोई बड़ा आयोजन होगा, उन्होंने कहा, इन पहलुओं पर राम मंदिर न्यास द्वारा निर्णय किया जाएगा। हालांकि यह उतने बड़े (प्राण प्रतिष्ठा) स्तर का नहीं होगा।

यह पूछने पर क्या पूरा मंदिर पांच जून तक तैयार हो जाएगा और छह जून से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा, मिश्र ने कहा, हां, यह हो जाएगा क्योंकि दूसरा तल भी उसी दिन तैयार हो जाएगा। मुख्य मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा, लेकिन परिसर की दीवार का निर्माण पूरा होने में कुछ और माह लगेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि, छह जून तक राम मंदिर के बाहर महर्षि वाल्मिकी मंदिर जैसे अन्य सात मंदिरों का निर्माण पूरा हो जाएगा। इस बीच अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने भी बुधवार को पुष्टि की कि मंदिर में राम दरबार और अन्य प्रतिमाओं के लिए तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होगा।

सीआर पार्क के मछली बाजार पर विवाद: भाजपा ने वीडियो को लेकर मोइत्रा के खिलाफ जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा पर राष्ट्रीय राजधानी में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करने के लिए उनके खिलाफ जांच की मांग की है जिसमें कथित तौर पर कुछ लोग चितरंजन (सीआर) पार्क में मछली विक्रेताओं को धमकाते नजर आ रहे हैं।

मोइत्रा ने मंगलवार को 'एक्स' पर कई पोस्ट में आरोप लगाया कि दक्षिणपंथी समूहों ने इलाके में मछली और मांस की दुकानों को जबरन बंद कराने की कोशिश की है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, ''कृपया देखें कि भगवा ब्रिगेड के भाजपा के गुंडे दिल्ली के चितरंजन पार्क में मछली खाने वाले बंगालियों को कैसे धमका रहे हैं। 60 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ।'' भाजपा की ओर से बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि वीडियो को ''गैर-जिम्मेदाराना और भ्रामक'' बताते हुए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने वीडियो के निर्माता और मोइत्रा दोनों के खिलाफ बिना सत्यापन के इसे पोस्ट करने के लिए पुलिस से जांच की मांग की। सचदेवा ने आरोप लगाया कि मोइत्रा ने टीएमसी के आंतरिक मुद्दों से ध्यान हटाने के उद्देश्य से या फिर खबरों में बने रहने के इरादे से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, ''यह आपराधिक लापरवाही से कम नहीं है।''

भाजपा नेता ने यह भी स्पष्ट किया कि वीडियो में दिखाए गए मछली बाजार छह दशकों से अधिक समय से वैध रूप से संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अधिकांश विक्रेता हिंदू हैं; वे स्वच्छता मानदंडों का पालन करते हैं और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। उनमें से कई भाजपा समर्थक हैं।'' ग्रेटर कैलाश से भाजपा विधायक शिखा रॉय ने कहा कि सीआर पार्क सांस्कृतिक सद्भाव का प्रतीक है, खासकर दुर्गा पूजा के दौरान, और किसी भी बाहरी व्यक्ति को इसकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अनंत अंबानी के जन्मदिन से पहले मथुरा के मंदिर में अनुष्ठान आयोजित

मथुरा (उप्र)/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी के जन्मदिन से एक दिन पहले बुधवार को पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रमुख केंद्र मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर में उनकी ओर से अनुष्ठान और प्रसाद का आयोजन किया गया। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि अनंत अंबानी के जन्मदिन (10 अप्रैल) के उपलक्ष्य में उनके परिवार की ओर से बुधवार को मनोरथ का आयोजन किया जा रहा है।

अंबानी ने ठाकुरजी के प्रति अपना भाव प्रकट करने के लिए जामनगर से द्वारका तक की पदयात्रा की है। वहीं, यहां द्वारकाधीश मंदिर में स्वर्ण पालना का मनोरथ कराया है। तिवारी ने बताया कि अनुष्ठान के तहत देवता, द्वारकाधीश महाराज को एक स्वर्ण पालने में रखा गया, और अनंत अंबानी के नाम पर पूरे दिन प्रसाद, भक्ति संगीत और सेवाएं आयोजित की गईं। उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह 8.25 से सुबह 8.40 बजे तक ग्वाल के दर्शन में ठाकुर द्वारकाधीश महाराज ने स्वर्ण पालने में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए।

बंगाल में अल्पसंख्यकों और उनकी संपत्तियों की रक्षा करेंगे: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

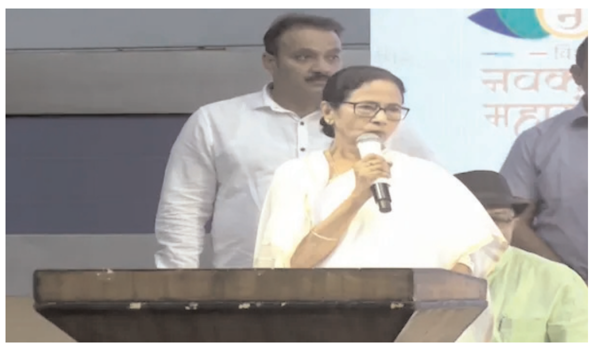

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के लागू होने से मुसलमान दुखी हैं और उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को आश्वासन दिया कि वह राज्य में उनकी और उनकी संपत्तियों की रक्षा करेंगी। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह बंगाल में 'फूट डालो और राज करो की नीति' को जारी नहीं रहने देंगी।

बांग्लादेश की सीमा से लगे मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ मंगलवार को बड़े पैमाने पर हिंसा भड़कने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। विश्वास रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके। आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।'' वक्फ (संशोधन) विधेयक तीन अप्रैल को लोकसभा द्वारा और उसके अगले दिन तड़के लंबी बहस के बाद राज्यसभा द्वारा पारित कर दिया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने लोगों से उन लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग हैं जो आपको राजनीतिक रूप से भड़काएंगे, आपको इकट्ठा होने और आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाएंगे। मैं आप सभी से ऐसा न करने की अपील करूंगी। कृपया याद रखें कि जब दीदी यहां हैं, तो वह आपकी और आपकी संपत्तियों की रक्षा करेंगी। भरोसा रखें। अगर हम एक साथ हैं, तो हम सब कुछ जीत सकते हैं। हम दुनिया को जीत सकते हैं।'' वक्फ अधिनियम को वापस लेने की मांग को लेकर मंगलवार को जंगीपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-12 को अवरुद्ध करने वाले प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और जब सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को हटाने का प्रयास किया तो सुरक्षाकर्मियों के वाहनों में आग लगा दी गयी।

पुलिस ने उग्र भीड़ को काबू करने और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। अधिकारियों ने बताया कि पथराव में कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद में पारित किए गए विधेयक की स्पष्ट आलोचना करते हुए बनर्जी ने कहा, ''बांग्लादेश की सीमा से लगे क्षेत्रों की स्थिति को देखिए। किसी को भी जल्दबाजी में काम नहीं करना चाहिए, क्योंकि कई बार इससे मुश्किलें पैदा होती हैं। हमें यहां मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि हमारे राज्य में 33 प्रतिशत लोग अल्पसंख्यक समुदायों से हैं। क्या हमें उन्हें बाहर निकाल देना चाहिए?''

वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर मप्र के मुख्यमंत्री यादव ने ममता को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को घेरते हुए मध्यप्रदेश के उनके समकक्ष मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि जिन लोगों ने वक्फ कानून में बदलाव का विरोध किया था, उन्हीं के यहां क्यों आग लग रही है। मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के बाद हिंसा भड़क गई थी।

इस हिंसा को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर मुख्यमंत्री यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''पोल खुल गई है। जिन लोगों ने वक्फ कानून में बदलाव का विरोध किया था, उन्हीं के यहां क्यों आग लग रही है?'' यादव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वक्फ कानून में बदलाव का कदम गरीब मुसलमानों की हक की लड़ाई से जुड़ा है, लेकिन कांग्रेस ने इस कदम को लेकर वोट बैंक की राजनीति का षड़यंत्र रचा जो अब बेनकाब हो रहा है। उन्होंने कहा,''मैं उम्मीद करता हूं कि कांग्रेस के नेता, (तृणमूल कांग्रेस की नेता) ममता बनर्जी और उनके सहयोगी दलों के नेता माफी मांगेंगे और वे वक्फ कानून में बदलाव की भावना को समझकर मुसलमानों के गरीब और कमजोर तबके के साथ न्याय करेंगे। कांग्रेस ने अहमदाबाद में विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा है कि पार्टी सरदार वल्लभभाई पटेल के बताए रास्ते पर चलते हुए सांप्रदायिकता, धार्मिक ध्रुवीकरण और विभाजन की राजनीति के खिलाफ संघर्ष करने के लिए कमर कस चुकी है। कांग्रेस के इस प्रस्ताव को लेकर किए सवाल पर मुख्यमंत्री यादव ने दावा किया कि देश की आजादी के बाद पटेल ने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था और नेहरू को इसके लोकार्पण का न्योता दिया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने पटेल के अनुरोध को नकार दिया था। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेहरू के वंशज अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर बने मंदिर के दर्शन करने से अब भी बच रहे हैं।

बल्लेबाजी अहंकार के बारे में नहीं है, मैं परिस्थिति के अनुसार खेलना चाहता हूं : विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि उनका मूल सिद्धांत अहंकार पर काबू रखते हुए मैच की परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करना है।

मौजूदा दौर के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक कोहली ने हाल ही में एक और उपलब्धि हासिल की । वह टी20 प्रारूप में 13000 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। कोहली ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा, ''यह (बल्लेबाजी) कभी अहंकार के बारे में नहीं है। यह कभी किसी को मात देने की कोशिश नहीं है। मेरे लिए यह हमेशा खेल की स्थिति को समझने के बारे में रहा है। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा गर्व है। मैं परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, '' अगर मैं लय में होता हूं तो मैं स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी उठाने की पहल करता। अगर कोई और बेहतर तरीके से खेल रहा होता है तो वह ऐसा करता है।'' कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक और रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 256 मैचों में आठ शतकों के साथ 8168 रन बनाए हैं।

इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने 2011 सत्र के बाद से इस प्रारूप की जरूरतों को समझ लिया। उन्होंने कहा, '' रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के साथ अपने पहले तीन वर्षों में मुझे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने के मौके नहीं मिले। मुझे आमतौर पर निचले क्रम में भेजा जाता था। ऐसे में मैं उस दौरान आईपीएल में बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाया।''कोहली ने कहा, '' मैंने साल 2010 से अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया और 2011 से नियमित तौर पर तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने लगा। तब से मैंने निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है।

कोहली ने स्वीकार किया कि लीग में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ''आईपीएल आपको बहुत ही अनोखे तरीके से चुनौती देता है क्योंकि इस लीग की संरचना काफी अगल है। यह एक छोटी द्विपक्षीय शृंखला की तरह नहीं है, यह कई हफ्तों तक चलता है और अंक तालिका में आपकी स्थिति बदलती रहती है। लगातार बदलते परिदृश्य से अलग-अलग तरह के दबाव आते हैं।'' उन्होंने कहा,'' टूर्नामेंट से आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से कई तरीकों से आगे बढ़ाने की चुनौती मिलती है जो अन्य प्रारूपों में नहीं होती। इसने मुझे अपने टी20 कौशल को लगातार सुधारने और विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया है।''

तीन बच्चों की मां ने धर्म परिवर्तन कर 12वीं कक्षा के छात्र से विवाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरोहा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में तीन बच्चों की मां ने हिंदू धर्म अपनाने के बाद बुधवार को एक मंदिर में 12वीं कक्षा के छात्र के साथ विवाह कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हसनपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत के मुताबिक, पूर्व में शबनम नाम से जाने जानी वाली 30 वर्षीय महिला अब शिवानी बन गई है तथा उसके माता पिता जीवित नहीं हैं और पहले उसकी दो बार शादी हो चुकी है तथा यह उसकी तीसरी शादी है। उन्होंने कहा कि शिवानी ने पहली शादी मेरठ में एक व्यक्ति से की थी, लेकिन उसका तलाक हो गया और इसके बाद उसने सैदनवली निवासी तौफीक से शादी की जो 2011 में एक सड़क दुर्घटना में अपंग हो गया।

पंत ने कहा कि हाल के महीनों में यहां के रहने वाले 12वीं कक्षा के छात्र शिवा के साथ उसका संबंध बना और उसने 18 साल के लड़के से शादी कर ली। पुलिस के मुताबिक, पिछले शुक्रवार को शबनम ने तौफीक से तलाक ले लिया और हिंदू धर्म अपना लिया जिसके बाद उसने अपना नाम शिवानी रख लिया और एक मंदिर में शिवा से विवाह कर लिया। शिवा के पिता दाताराम सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अपने बेटे के निर्णय का समर्थन किया और परिवार खुश है। उन्होंने कहा,हम यही उम्मीद करते हैं कि दोनों शांति से जीवन बिताएं।

सुविचार

हमारा हर सपना पूरा हो सकता है,
यदि हमारे पास उन्हें पाने
की हिम्मत और लगन हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सच्चाई की बड़ी जीत

मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण सच्चाई की बड़ी जीत है। इससे न्याय के रास्ते में आ रहे कई अवरोध दूर हो गए हैं। हालांकि अभी लड़ाई बाकी है। अदालत में तहव्वुर के खिलाफ सबूत रखे जाएंगे, उसे अपना बचाव करने का मौका दिया जाएगा, लंबी बहस होगी। उसके बाद फैसला आएगा। भारतीय जांच एजेंसियों को विशेष सावधानी बरतकर पुख्ता सबूत जुटाते हुए ऐसे सवाल तैयार करने होंगे, जिनसे पूरा सच खुद ही सामने आ जाए। तहव्वुर अपनी जान बचाने के लिए कई पैंतरे आजमाएगा। उसने अमेरिकी अदालतों और एजेंसियों को चकमा देने की खूब कोशिशें की थीं। वह यही पैंतरा भारतीय अदालतों में चलेगा। पाकिस्तान उसके लिए सहानुभूति जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अब भारत के लिए एक अवसर है कि वह तहव्वुर का कच्चा चिट्ठा खोलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को तेज करे। यह शख्स कनाडाई नागरिक है, लेकिन पूर्व में पाकिस्तानी फौज में डॉक्टर रह चुका है। इसने डेविड कोलमैन हेडली का भरपूर सहयोग किया था, जिसने मुंबई हमलों से पहले रेकी कर साजिश रची थी। तहव्वुर ने उसे जिस तरह वीजा लगवाने और फर्जी पहचान बनाकर मुंबई में अत्यंत महत्त्वपूर्ण जगहों की जानकारी जुटाने के लिए 'पर्दे के पीछे' से दिशा-निर्देश दिए थे, उससे स्पष्ट होता है कि यह कसाब से भी ज्यादा खतरनाक आतंकवादी है। अगर इसे भविष्य में सख्त सजा होती है तो उन सभी आतंकवादियों और उनके आकाओं तक कड़ा संदेश जाएगा, जो इस भ्रम में रहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से भारत को 26/11 हमलों की साजिश के अन्य पहलुओं के बारे में बड़ी जानकारी मिल सकती है। इसके पास ऐसे गुप्त तथ्य जरूर होंगे, जो निचले स्तर के आतंकवादियों के पास नहीं होते हैं। जब भारतीय जांच एजेंसियों के आगे तहव्वुर मुंह खोलेगा तो कई राज़ उगलेगा। अब तक जितने बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं, उनमें आईएसआई की क्या भूमिका रही, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन किस स्तर पर शामिल रहे, भारत में उन्हें सहयोग पहुंचाने वाले तत्त्व कौन हैं, उनका नेटवर्क कहां तक फैला है ... जैसे सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस प्रत्यर्पण से दुनिया में यह संदेश जाएगा कि भारत अपनी धरती पर हमला करने वालों को नहीं बख्शता है। भले ही इसमें कुछ समय लग जाए, लेकिन देश दृढ़ संकल्प के साथ अपनी लड़ाई लड़ता है। इस लड़ाई से लोगों में न्याय को लेकर भरोसा मजबूत होगा, भारत की छवि निश्चित रूप से मजबूत होगी। जब कसाब पर मुकदमा चलाया गया था, तब यह सुनिश्चित किया गया था कि उसकी हिरासत और मुकदमे की प्रक्रिया में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जाए। तब सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए कई बातें लोगों तक पहुंचने में काफी समय लगा। आज स्थिति बिल्कुल अलग है। अब तहव्वुर की करतूतों के सबूत पलक झपकते ही पूरी दुनिया तक पहुंच जाएंगे। इस प्रत्यर्पण से भारतीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों को भविष्य में ऐसे हमलों को टालने में मदद मिल सकती है। आतंकवादियों के मंसूबे विफल करने के लिए जरूरी है कि उनके तौर-तरीकों, हथकंडों, हमलों के संचालन से जुड़ी बारीक से बारीक जानकारी हमारे पास हो। इससे भविष्य में ज्यादा प्रभावी रणनीति बनाने और सुरक्षा संबंधी तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। तहव्वुर से प्राप्त जानकारी का 'उचित स्तर' पर उपयोग करने से आतंकवादियों का जल्दी खात्मा होगा, उनकी हिम्मत पस्त होगी। भारत इस लड़ाई को आगे बढ़ाए, तहव्वुर राणा को उसके अंजाम तक पहुंचाए।

ट्वीटर टॉक

नवकार महामंत्र सिर्फ मंत्र नहीं है। ये हमारी आस्था का केंद्र है। हमारे जीवन का मूल स्वर और इसका महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। ये स्वयं से लेकर समाज तक, सबको राह दिखाता है। इस मंत्र का प्रत्येक पद ही नहीं, बल्कि प्रत्येक अक्षर अपने आप में एक मंत्र है।

-नरेन्द्र मोदी

पर्यटन भवन में अयोध्या की नन्ही आध्यात्मिक वक्ता एवं सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आहुति शुक्ला जी से स्नेहिल भेंट की। इस अवसर पर आहुति ने अपनी कविताओं के कुछ अंश सुनाएं, जिसमें भगवान श्री राम और महाराणा सांगा जी के 80 घावों का वर्णन किया गया था।

-दीया कुमारी

क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ़ आप अफ़सरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है।अफ़सर तृप्त है। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुँचे। अफ़सर सो रहें है, लोग रो रहें हैं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

भिक्षा की तार्किकता

एक आश्रम में रहकर दो ऋषि शास्त्राध्ययन में लगे रहते थे। दोपहर के समय दोनों भोजन करने बैठे। इसी बीच एक युवा भिक्षुक ने आवाज लगाई, 'महात्मन, क्या भिक्षा मिलेगी?' एक ऋषि ने उत्तर दिया, 'नहीं, इस समय भिक्षा नहीं मिल पाएगी।' यह सुनते ही युवा ब्रह्मचारी भिक्षुक ने विनम्रतापूर्वक पूछा, 'ऋषिवर! आपके इष्टदेव कौन हैं?' ऋषि ने कुछ क्रोधित होकर कहा, 'लगता है कि तुम उद्दंड किस्म के ब्रह्मचारी हो, हमारे इष्टदेव का नाम जानकर क्या करोगे?'

कुछ क्षण मौन रहकर ऋषि ने बताया, 'हमारे इष्टदेव वायु हैं, जिन्हें प्राण भी कहा जाता है।' ब्रह्मचारी भिक्षुक ने कहा, 'ऋषिवर! वायु व प्राण तो सर्वत्र व्याप्त हैं। क्या मुझ में प्राण नहीं हैं। आप अकेले भोजन कर अपने इष्टदेव, जो मेरे अंदर भी विराजमान हैं व भूखे हैं, की अवहेलना का पाप नहीं कर रहे हैं?' दोनों ऋषि यह समझ गए कि यह ब्रह्मचारी उपनिषदों का गंभीर अध्येता है। उन्होंने अपनी भूल स्वीकार की तथा ब्रह्मचारी को पास बिठाकर आदर से भोजन कराया।

सामयिक

सावधान! तेज धूप एवं बढ़ती गर्मी से कहीं लू न लग जाए

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

विशेष

असहिष्णुता के माहौल में भगवान महावीर के विचारों की प्रासंगिकता

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

भगवान महावीर जयंती का पर्व इस वर्ष 10 अप्रैल को पूरे देश में मनाया जा रहा है। आज देश और दुनिया में सर्वत्र हिंसा, धार्मिक असहिष्णुता तथा नफरत का माहौल व्याप्त हो रहा है। लोग एक दूसरे के खिलाफ लड़-मरने को तैयार है। हम असहिष्णुता और विभिन्न पंथों के लोगों के खिलाफ घृणा आधारित हिंसा देख रहे है। ऐसे में भगवान महावीर के विचारों की प्रासंगिकता आज भी हमें नेकी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर की 2623वीं जयंती पर हमें उनके बुनियादी सिद्धांतों अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, की याद दिलाती है, जिनपर चलकर मानव जाति की इन समस्याओं को हल संभव है। महावीर ने जाति, समुदाय, धर्म, रंग या क्षेत्र के आधार पर असमानता को दूर करने के लिए अनेकांत (अनेकता में एकता) का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। इस दिन हमें भगवान महावीर के विचारों का गहन मंथन कर आत्मसात करने की जरुरत है। वे महान समाज सुधारक थे। उनके बताये मार्ग पर चलकर हम अपने समाज को शांति और भलाई का रास्ता दिखा सकते है।

महावीर स्वामी का जन्म दिवस चैत्र की शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। जैन समुदाय के लिए महावीर जयंती का विशेष महत्व होता है। महावीर स्वामी जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान श्रीआदिनाथ की परंपरा में चौबीसवें तीर्थंकर हैं। महावीर स्वामी ने अहिंसा परमो धर्म सूत्र दिया। महावीर जयंती जैन समुदाय द्वारा भगवान महावीर के जन्म की खुशी में उत्सव के रूप में मनाते हैं। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर अहिंसा के प्रमुख ध्वजवाहकों में से एक है। भगवान महावीर ने पूरे समाज को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। जैन समुदाय इस पर्व को उत्सव के तौर पर मनाते हैं।

मगवान महावीर ने हमेशा से ही दुनिया को अहिंसा और अपरिग्रह का संदिश दिया है। मोक्ष पाने के बाद, भगवान महावीर ने पांच सिद्धांत लोगों को बताए जो समृद्ध जीवन और आंतरिक शांति की ओर ले जाने वाले बताये जाते हैं। ये पांच सिद्धांत इस प्रकार हैं, पहला अहिंसा, दूसरा सत्य, तीसरा अस्तेय, चौथा ब्रह्मचर्य और पांचवा व अंतिम सिद्धांत है अपरिग्रह। इसी तरह किंवदंती है कि महावीर जी के जन्म से पूर्व उनकी माता जी ने 16 स्वप्न देखे थे जिनके स्वप्न का अर्थ राजा सिद्धार्थ द्वारा बतलाया गया है। महावीर स्वामी अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए। भगवान महावीर का कहना है

कि मनुष्य को कभी भी असत्य का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए। मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। महावीर स्वामी ने ब्रहाचर्य के बारे में बताया है कि उत्तम तपस्या,ज्ञान ,संयम और विनय ब्रहाचर्य की जड़ है।

जैन मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर के राज परिवार में हुआ था। भगवान महावीर का बचपन का नाम वर्धमान था। कहा जाता है कि इन्होंने 30 साल की उम्र में घर छोड़ दिया और दीक्षा लेने के बाद 12 साल तपस्या की। दीक्षा लेने के बाद महावीर 12 साल तक तपस्या की। भगवान महावीर के दर्शन के लिए भक्तों को उनके सिद्धांतों का पालन करना जरूरी होता है। महावीर स्वामी सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा है। यही नहीं उनके हर भक्तों को अहिंसा के साथ, सत्य, अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक होता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद भगवान महावीर का जन्म हुआ था। अहिंसा परमो धमर्रः अर्थात अहिंसा सभी धर्मों से सर्वोपरि है। यह संदेश उन्होंने पूरी दुनिया को दिया व संसार का मार्गदर्शन कियाद्य पहले स्वयं अहिंसा का मार्ग अपनाया और फिर दूसरों को इसे अपनाने के लिये प्रेरित कियाद्य जियो और जीने दो का मूल मंत्र इन्हीं की देन हैद्य महावीर के सिद्धांत में समर्पण का भाव सबसे अहम था। उनका मानना था कि मांग कर, प्रार्थना करके या हाथ जोड़कर धर्म को हालिस नहीं किया जा सकता। महावीर मानते थे कि धर्म को खुद धारण करना चाहिए, इसे किसी से मांगकर हासिल नहीं किया जा सकता। धर्म जीतने से मिलता है, जिसके लिए संघर्ष करना पड़ता है। महावीर अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए।

नजरिया

तीर्थंकर महावीर के विचार आज भी प्रासंगिक : श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक (जयंती) के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने जो शिक्षाएं और संदेश दिया वह आज भी प्रासंगिक हैं। अहिंसा, अपरिग्रह, करुणा और क्षमा के विचार जनमानस की जीवन पद्धति बन गए हैं। महावीर स्वामी ने मानवता को शांति, प्रेम, सौहार्द और बंधुत्व की भावना के साथ जीवन जीने का मार्ग बताया। संपूर्ण विश्व एक है और सभी प्राणी एक ही परिवार के सदस्य हैं। एक का सुख सबका सुख है। एक की पीड़ा सभी की पीड़ा है, उनका यह संदेश आज भी पूरी दुनिया के लिए आदर्श है।

आज पूरे विश्व में अशांति फैली हुई है। अनिश्चितता का दौर है, भय का माहौल है। एक दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना है। अहिंसा, अपरिग्रह, जियो और जीने दो आदि सभी महत्वपूर्ण तीर्थंकर महावीर के सिद्धांत अनेकांतवाद की नींव पर ही टिके हैं। अनेकांतवाद का अर्थ है कि किसी भी एक पक्ष को सही मानकर नहीं चलना वरन सभी के मतों को, सभी के पक्षों को समाहित करते हुए तथ्यों तक पहुंचना। आज सभी समस्याओं की यही जड़ है कि सभी केवल अपनी बात को ही सही मानते हैं, दूसरों के सापेक्ष से उसे नहीं समझते यही दुख का कारण है, अशांति का कारण है। महावीर ने भारत के विचारों को उदारता दी, आचार को पवित्रता दी जिसने इंसान का गौरव बढ़ाया। उसके आदर्श को परमात्मा पद की बुलंदी तक पहुंचाया, जिसने सभी को धर्म और स्वतंत्रता का अधिकारी बनाया और जिसने भारत के आध्यात्मिक संदेश को अन्य देशों तक पहुंचाने की शक्ति दी। यही कारण है कि आज विश्व में तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों की ओर लोगों का ध्यान गया है। जहां अनेकांतवाद के सिद्धांतों का पालन नहीं हो रहा है वहां आतंकवाद की जड़ें मजबूत हो रही हैं। भगवान महावीर ने कहा था कि मूल बात दृष्टि की होती है। हम किस दृष्टि से अपने आसपास समाज में हो रही व्यवस्थाओं व घटनाओं को देखते हैं। उन्होंने बताया कि हम भीतर से अपने को देखें एवं उसकी सापेक्षता में इस जगत को समझें। आज महावीर के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए महावीरों की आवश्यकता है, प्रयोग वीरों की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से 113 लोगों की मौत

सैंटो डोमिंगो/एपी। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक ऐतिहासिक नाइट क्लब की छत गिरने से कम से कम 98 लोगों की मौत हो गई और 255 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई।

अधिकारियों के मुताबिक, छत ढहने से डांस फ्लोर पर नाच रहे कम से कम 113 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि हादसे में 255 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल मलबे में उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जिनके जीवित होने की संभावना है।

मेंडेज ने कहा, ''हम मलबे के नीचे लोगों की तलाश के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि हादसे में 113 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन इनमें से महज 32 की ही अभी शिनाख्त की जा सकी है।

स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, जान गंवाने वालों में एक हृदय रोग विशेषज्ञ, एक सरकारी वास्तुकार, एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और युवा मंत्रालय के उप मंत्री के भाई शामिल हैं। डोमिनिकन गणराज्य की 'प्रोफेशनल बेसबॉल लीग' के प्रवक्ता ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि हादसे में एमएलबी (मेजर लीग बेसबॉल) पिचर ऑक्टेवियो डोटेल और खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा भी मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिमी प्रांत मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर और सात बार के एमएलबी ऑल-स्टार (लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी) नेल्सन क्रूज की बहन नेल्सी क्रूज भी मृतकों में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में दबी नेल्सी ने राष्ट्रपति लुईस अबिनाडर को फोन कर हादसे की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि बाद में नेल्सी ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। खबरों के अनुसार, हादसे में पेरेज के संगीत समूह में शामिल सैक्सोफोन वादक लुईस सोल्स, कई बार कर्मियों और सेना के एक जवान की भी मौत हो गई।

बातचीत

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को ताशकंद में भारत-उज्बेकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना करते हुए इंडोलॉजिस्ट से बातचीत की।

प्राचीन नालंदा सांस्कृतिक कूटनीति का भी था केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय देशों की ''सीमाओं से परे और दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित करने वाला संस्थान'' होने के साथ-साथ 'सांस्कृतिक कूटनीति का केंद्र' भी था। यह कहना है राजनयिक और लेखक अभय के. का।

अभय ने अपनी नई किताब ''नालंदा: हाउ इट चेंज्ड द वर्ल्ड'' में शिक्षा के इस प्रसिद्ध केंद्र के उत्थान, पतन और पुनरूद्धार के साथ-साथ सैकड़ों वर्षों तक निर्बाध रूप से विश्व को दिए गए इसके महत्वपूर्ण योगदान का भी वर्णन किया है।

वर्तमान में विदेश मंत्रालय के तहत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)के उप महानिदेशक के रूप में कार्यरत, राजनयिक बिहार के नालंदा जिले के प्राचीन शहर राजगीर के मूल निवासी हैं।

अभय ने दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार शाम को आयोजित एक संवाद कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' को दिए वीडियो साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि इस स्थल पर और अधिक खुदाई की जरूरत है।''

नालंदा विश्वविद्यालय या नालंदा महाविहार के खंडहर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। यह प्रतिष्ठित सम्मान इसे 2016 में प्राप्त हुआ था। यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार, नालंदा महाविहार पुरातत्व स्थल पर तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ईसवी तक के मठ और शैक्षिक संस्थान के अवशेष शामिल हैं।

अभय के. ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह एक ऐसा स्थान था जहां दुनिया भर से लोग आते थे, एकत्र होते थे, ज्ञान प्राप्त करते थे और फिर उस ज्ञान को अपने साथ ले जाते थे और अपने देशों में इसका प्रसार करते थे। इसलिए, सांस्कृतिक कूटनीति के लिए नालंदा से बड़ा केंद्र और क्या हो सकता है।''

अमृतसर में चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए छाते थामे महिलाएँ।

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई आतंकवादी हमला मामले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को बहुत जल्द अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है। राणा के बारे में कुछ महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं:

राणा (64) पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है।उसका जन्म पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिले के चिचावतनी शहर में हुआ था।

पाकिस्तान में चिकित्सा की पढ़ाई करने के बाद उसने पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में काम किया। राणा 1990 के दशक के अंत में पाकिस्तानी सेना छोड़कर कनाडा चला गया और बाद में उसे कनाडा की नागरिकता मिल गई।

उसने अपने 'फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज' उद्यम के माध्यम से आव्रजन सेवा प्रदाता का अपना व्यवसाय शुरू किया। इसके बाद राणा अमेरिका चला गया और शिकागो में अपना कार्यालय स्थापित किया।

सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि हेडली, राणा के बचपन का दोस्त है। उसके जन्म के कुछ समय बाद हेडली का परिवार पाकिस्तान चला गया, जहां अटक जिले के हसन अब्दल शहर के एक स्कूल में उसकी पढ़ाई हुई। वहीं, हेडली की राणा से दोस्ती हुई। वर्ष 2008 में 26 नवंबर को मुंबई आतंकवादी हमला मामले में राणा की क्या संलिप्तता है? राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 11 नवंबर, 2009 को हेडली, राणा और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता , गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, और आतंकवाद रोधी सार्क संधि अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। शिकागो, इलिनोइस निवासी हेडली और राणा ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल जिहादी इस्लामी (एचयूजेआई) के सदस्यों के साथ मिलकर नई दिल्ली और भारत के अन्य स्थानों पर आतंकवादी हमले की आपराधिक साजिश रची थी।

साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। नवंबर 2012 में, पाकिस्तानी समूह के एकमात्र जीवित आतंकवादी अजमल आमिर कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दे दी गई थी। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि राणा ने हेडली को भारत के लिए वीजा दिलाने में मदद की थी। आरोप है कि राणा को हेडली के आतंकी संबंधों की जानकारी थी और उसने मुंबई में लक्ष्यों की टोह लेने तथा नई दिल्ली में 'नेशनल डिफेंस कॉलेज' और मुंबई में चबाड हाउस पर हमलों की साजिश रचने में भी मदद की थी।

अधिकारियों ने बताया कि हेडली जून 2006 में अमेरिका गया था और राणा से मिला था।

'कन्नप्पा' की टीम ने की योगी से मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर फिल्म 'कन्नप्पा' के निर्माता डॉ एम मोहन बाबू, अभिनेता विष्णु मांचू, प्रभु देवा और कार्यकारी निर्माता विनय महेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कन्नप्पा का एक आकर्षक पोस्टर अनावरण किया गया। फिल्म 27 जून को दुनिया भर में रिलीज़ होगी। मुख्यमंत्री को फिल्म निर्माण की एक झलक भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री योगी ने टीम के प्रयासों की सराहना की और भारतीय पौराणिक कथाओं, संस्कृति और भक्ति में निहित कहानियों को बताने के महत्व पर जोर दिया। कन्नप्पा टीम ने योगी को फिल्म तैयार होने पर देखने और तिरुपति आने का निमंत्रण दिया। इस मुलाकात के बारे में विष्णु मांचू ने कहा सीएम योगी आदित्यनाथ जी से मिलना हम सभी के लिए बेहद सम्मान की बात थी। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने अपने जीवन का एक दशक कन्नप्पा में लगाया है, उन्हें हमारी फिल्म की आत्मा के साथ जुड़ते देखना अविश्वसनीय रूप से भावुक करने वाला था। उन्होंने समझा कि कन्नप्पा केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सांस्कृतिक पुनरुत्थान है। उन्होंने इस तरह की और फ़िल्में बनाने और देखने का आह्वान किया, जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति की पुष्टि करता है।

उनके शब्द हमें याद दिलाते हैं कि हमारी पौराणिक कथाओं, हमारे इतिहास, हमारे नायकों को बड़े पर्दे पर अपनी आवाज़ ढूँढ़नी चाहिए और पीढ़ियों तक पहुँचाना चाहिए। 27 जून को रिलीज़ होने वाली कन्नप्पा एक ऐतिहासिक महाकाव्य है जो भगवान शिव के महान भक्त की कहानी बयां करती है। विष्णु मांचू कन्नप्पा की भूमिका में हैं, उनके साथ प्रीति मुखुंधन,मोहनलाल, अक्षय कुमार, प्रभास और काजल अग्रवाल ने भी दमदार अभिनय किया है। गौरतलब है कि कन्नपा की टीम ने इससे पहले मंगलवार को आध्यात्मिक गुरू धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा) से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान, बागेश्वर बाबा ने विष्णु मांचू, निर्देशक मुकेश कुमार सिंह और फिल्म के खलनायक अर्पित रांका सहित कन्नप्पा की टीम को अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने भक्त कन्नप्पा की महानता के बारे में विस्तार से बात की और फिल्म की झलकियां देखीं, तथा इसके विज़न की सराहना की। उन्होंने सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और प्राचीन कहानियों को सामने लाने के प्रयास की प्रशंसा की, तथा कहा कि ऐसी फ़िल्में अवश्य बननी चाहिए और जन-जन तक पहुंचनी चाहिए।

एनटीआरनील की शूटिंग करेंगे जूनियर एनटीआर

मुंबई/एजेन्सी। मैन ऑफ मासेस जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से अपनी आने वाली फिल्म एनटीआरनील की शूटिंग शुरू करेंगे। माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले बन रही फिल्म एनटीआरनील एक दमदार सिनेमैटिक स्पेक्ट्रैकल बनने जा रही है, जहां सिनेमा की दुनिया के दिग्गज पहली बार साथ आ रहे हैं। पहली बार इंडियन एंटरटेनमेंट की तीन बड़ी ताक़तें माइथ्री मूवी मेकर्स, प्रशांत नील और जूनियर एनटीआरएक एक धमाकेदार फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं । फिलहाल इस फिल्म को 'एनटीआरनील' कहा जा रहा है और इसे लेकर फैंस में जबरदस्त बज़ है। जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एनटीआरनील को लेकर एक ज़बरदस्त अपडेट शेयर किया है। उन्होंने ऐलान किया कि जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से शूटिंग शुरू करेंगे।

निर्मित कौर अहलूवालिया अपने 'खतरों के खिलाड़ी' वाले वर्कआउट रूटीन पर लौटी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने 'खतरों के खिलाड़ी' वाले वर्कआउट रूटीन पर लौट आयी हैं। 'खतरों के खिलाड़ी' में अपनी सीमाओं को पार करने के बाद, अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया ने अब अपनी फिटनेस यात्रा को और आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस रियलिटी शो में अपनी हिम्मत और ताकत से दर्शकों को प्रभावित करने वाली निर्मित ने फिर से उसी सख्त वर्कआउट रूटीन को अपनाया है, जिसे उन्होंने शो की तैयारी के दौरान शुरू किया था। निर्मित की फिटनेस यात्रा काफी प्रेरणादायक रही है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स अक्सर उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाते हैं,चाहे वह शो से पहले की तैयारी हो या उसके बाद की अनुशासित दिनचर्या। 'खतरों के खिलाड़ी' के बाद भी उन्होंने अपनी मेहनत जारी रखी, यह साबित करते हुए कि उनके लिए फिटनेस किसी एक प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है।

वह अब दोबारा उस गहन ट्रेनिंग को अपना रही हैं, जिसमें किकबॉक्सिंग, चपलता बढ़ाने वाले एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और इंटरमीडिएट लेवल की (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) शामिल हैं। अपने नए साल के फिटनेस लक्ष्यों पर बात करते हुए निर्मित ने कहा, मेरे लिए फिटनेस हमेशा खुद को चुनौती देने के बारे में रही है। 'खतरों के खिलाड़ी' ने मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, और मैं इस जज़्बे को 2025 में भी जारी रखना चाहती हूं। इस साल मेरा लक्ष्य 100 किलो डेडलिफ्ट और बॉडी वेट स्क्वाट्स करना है। मैंने अब अपने रूटीन में पिलाटेस को भी शामिल कर लिया है। फिटनेस यात्रा कभी रुकती नहीं, बल्कि समय के साथ और विकसित होती है, और मैं उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि यह मुझे आगे कहां ले जाती है। 'खतरों के खिलाड़ी' के लिए जो गहन फिटनेस रूटीन अपनाया था, मैं उसी अनुशासन से फिर जुड़ना चाहती हूं और इसमें और बेहतर बनना चाहती हूं।

सन्नी देओल ने तनोट माता के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

जैसलमेर। फिल्म अभिनेता सन्नी देओल ने बुधवार को भारत-पाक की सरहद पर स्थित जैसलमेर जिले के तनोट राय माता मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। देओल के मंदिर पहुंचने पर सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठोड़ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने तनोट माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना की तथा रुमाल घर में मन्नती रुमाल भी बांधा। गौरतलब है 10 अप्रैल को सनी देओल की जाट फ़िल्म रिलीज हो रही है, उसकी सफलता की कामना के लिए वे तनॉट माता मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए आये हैं।

तैयारी

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में बैसाखी समारोह के लिए पाकिस्तान जाने के लिए तैयार श्रद्धालु।

फिल्म 'छोरी 2' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा की आने वाली फिल्म छोरी 2 का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। टी-सीरीज़, एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट, साइक और टैमारिस्क लेन प्रोडक्शन की हॉरर फिल्म छोरी 2 का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है और इसमें नुसरत भरूचा ने साक्षी के क़िरदार में वापसी की है, उनके साथ सोहा अली ख़ान ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। काफी इंतज़ार के बाद, छोरी 2 का ट्रेलर और नए पोस्टर्स रिलीज़ हो गए हैं, जिसमें नुसरत भरूचा एक बार फिर साक्षी के अपने डरावने किरदार में वापस लौटी हैं।

यह सीक्वल वहीं से शुरू होता है जहाँ पहली फिल्म खत्म हुई थी, और अब कहानी और भी गहरे और भयानक रहस्यों से भरी एक अलौकिक दुनिया में उतरती है। इस बार साक्षी को और भी खतरनाक चुनौतियों का सामना करना है, जहाँ वो अपनी अजन्मी संतान को शैतानी ताक़तों से बचाने की लड़ाई लड़ रही है। फिल्म छोरी में नुसरत भरूचा की परफॉर्मेंस को उसकी इमोशनल गहराई और बेहतरीन इंटेंसिटी के लिए खूब सराहा गया था। छोरी 2 में वो इस किरदार को और भी उंचाई पर ले जाने वाली हैं। फिल्म छोरी 2 में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन, और हार्दिका शर्मा जैसे कलाकारों भी नज़र आने वाले हैं। भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में 11 अप्रैल 2025 को प्राइम वीडियो पर छोरी 2 का एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगा।

देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा : संजना सांघी

मुंबई/एजेन्सी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की यूथ चैंपियन अभिनेत्री संजना सांघी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। अभिनेत्री का मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की। संजना ने बताया कि उन्हें किस बात ने प्रेरित किया। सांघी ने कहा, मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यूएन में बोलते हुए देखा था और मेरे पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ। आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन के निर्माण करने का है, जहां हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न हो, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। सांघी का मानना है कि शिक्षा से

जेंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है।

संजना ने आगे कहा, शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग और वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाउन में अध्ययनों से पता चलता है कि 10 मिलियन लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या एक मिलियन से कम थी। शुरुआती सफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उन्होंने बताया, ओम का बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि 'प्रक्रिया ही पुरस्कार है'। उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में एक मजेदार यात्रा थी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

भव्य नवकार महामंत्र समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीतो कोयंबटूर के राजस्थानी संघ में विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए भव्य नवकार महामंत्र समारोह का आयोजन किया। साध्वीश्री संयम पूर्णश्रीजी ने उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया। महावीर जयंती के एक दिन पूर्व आज सुबह राजस्थानी संघ में, जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) कोयंबटूर चैप्टर ने राजस्थानी संघ परिसर में भव्य नवकार महामंत्र जाप कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम पवित्र नवकार मंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से विश्व शांति और आध्यात्मिक एकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था। साध्वीश्री संयमपूर्णश्री और उनके शिष्यों की दिव्य उपस्थिति में जैन समुदाय के कई प्रमुख सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ समारोह की शुरुआत हुई। साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में नवकार मंत्र के महत्व और गहराई पर जोर दिया और बताया कि कैसे इसके कंपन आंतरिक शांति और सार्वभौमिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

णमोकार मन्त्र जैन धर्म का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मन्त्र है। इसे नवकार महामंत्र, नमस्कार मन्त्र या 'पंच परमेष्ठि नमस्कार' भी कहा जाता है। इस मन्त्र में अरिहन्तों, सिद्धों, आचार्यों, उपाध्यायों और साधुओं का नमस्कार किया गया है। 'णमोकार महामंत्र' एक लोकोत्तर मंत्र है। इस मंत्र को जैन धर्म का परम पवित्र और अनादि मूल मंत्र माना जाता है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। इसलिए यह अनादि और अक्षयस्वरूपी मंत्र है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं। किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है। जीतो के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने सभी उपस्थित लोगों का औपचारिक रूप से स्वागत किया और कोयंबटूर के नागरिकों से मिले भारी समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

केजी ग्रेजुएशन डे मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकार पेट मे स्थित श्री बादलचंद सायरचंद चोरडिया जैन विद्यालय में 8 अप्रैल को केजी ग्रेजुएशन डे मनाया गया। प्रार्थना से शुरु इस कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों ने हिन्दी, तमिल और अंग्रेजी में कविता और कहानी सुनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कंवर अनराज चोरडिया स्कूल की प्रधानाध्यापक आर. श्यामला चंद्रमोहन एवं विशिष्ट अतिथि एसएस जैन. एजुकेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष हस्तीमल चौधरी और खजांची टी. कैलाशचंद चोरडिया उपस्थित थे। विद्यालय के प्रधान अध्यापक एस.अजय कुमार चोरडिया, सचिव ए.सुमेरचंद चोरडिया, समिति सदस्य, विद्यालय के प्रधान अध्यापक एम.मालिनी की उपस्थिति में के.जी. के छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिया गया।

नवकार भाव के प्रभाव से जागृत होता है सद्भाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर। जीतो द्वारा आयोजित व जैन सोश्यल ग्रुप, कानपुर के तत्वावधान में नम्रमुनिजी के शिष्य पीयूष मुनिजी एवं आचार्य श्री जयन्तसेनसूरि के शिष्य मुनि श्री डॉ.संयमरत्न विजय जी, मुनि श्री भुवनरत्न विजय जी के सान्निध्य में विश्व नवकार जाप का अनुष्ठान संपन्न हुआ। मुनि श्री ने नवकार की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि इस कलियुग में जो जितना ज्यादा जाप करता है, उसे उतनी ही शीघ्र सिद्धि प्राप्त होती है। जो बोलकर ऊँची आवाज में किया जाये वह 'भाष्य जाप' है, जो होठ हिलाकर बिना आवाज के किया जाए वह 'उपांशु जाप' है और जो मन ही मन किया जाये वह 'मानस जाप है। नवकार की नाव से उतरते ही जीव तनाव में आ जाता है। नवकार हमारे तन-मन-धन के विकार को दूर कर हमें संस्कार में जीना सिखाता है। नौ का अंक अखंड होता है,वह कभी अपनी मर्यादा नहीं छोड़ता। जैसे 9 के पहाड़े के सभी अंकों का योग 'नौ' ही होता है, उसी तरह नवकार का जाप करने वाले का जीवन खंड-खंड न होकर अखंड हो जाता है। नवकार के एक-एक अक्षर में तीर्थों व तीर्थंकरों का वास है। अपने इष्ट संबंधी धोखा दे सकते है,लेकिन नवकार कभी भी धोखा नहीं देता है।

नवकार भाव का अभाव होने पर सद्भाव भी चला जाता है। नवकार व्यक्ति वाचक नहीं, अपितु गुणवाचक है। नवकार हमारे लिए परम इष्ट है,जो समस्त अनिष्ट को पल भर में नष्ट कर देता है। जब तक ममता भाव नहीं जाता,समता का आविर्भाव नहीं होता और समता भाव आए बिना नवकार सिद्ध नहीं होता। नवकार का कोई दिवस नहीं होता,उसे तो हर पल,पल-पल स्मरण करते रहना चाहिए।

साथ ही महावीर जन्म कल्याणक प्रसंग पर मुनि श्री ने कहा कि जैसे पिता को मानना अलग बात है, लेकिन पिता की मानना अत्यंत महत्वपूर्ण बात है,वैसे ही महावीर को मानना अलग बात है, पर महावीर की मानना बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। महावीर जैनों के ही नहीं अपितु जन-जन के थे।महावीर सबके थे और सब महावीर के थे। महावीर के जीवन में अपना-पराया जैसा कोई भेद नहीं था।धर्म को शाश्वत बनाए रखने के लिए महावीर स्वामी के अहिंसा, अपरिग्रहवाद,अनेकांतवाद व कर्मवाद जैसे सिद्धांतों को समझने और उनके व्यापक प्रचार-प्रसार पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। पीयूष मुनि जी ने भी नवकार की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि नवकार गहन गंभीर है,जिसे एकाग्रता व श्रद्धा के साथ जाप करना चाहिए, जाप करते करते पाप नष्ट हो जाते है।

दीक्षार्थी कशिश बाफना का अभिनन्दन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दीक्षार्थी कशिश बाफना के अभिनन्दन संघ की ओर से किया गया। इस अवसर पर स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में दीक्षार्थी के वीरपिता सुनील बाफना, वीरपिता-वीरपति बाबूधनपतराज सुराणा, वीरपिता रिखबचंद बागमार वीरपुत्र डी रविन्द्रजी कवाड वीरपुत्र व वीरभ्रातागण आर नरेन्द्र कांकरिया आर वीरेन्द्र कांकरिया एवं अभय सुराणा, स्वाध्यायी बन्धुवर गौतमचन्द मुणोत, कांतिलाल तातेड़, चंपालाल बोथरा, सुमेरचंद बागमार, संघ अध्यक्ष आर पदमचन्द बागमार, विमलचन्द सुराणा, सुरेश कोठारी,युवक परिषद् शाखा प्रमुख सन्दीप ओस्तवाल, दीपक श्रीश्रीमाल मनीष जैन, जवाहरलाल कर्णावट, बी सुरेश चोरडिया, चिराग ललवाणी, वी दिनेश कांकरिया व श्राविका वर्ग में अधिकांश की सामायिक परिवेश में व चेन्नई महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक- श्राविकाओं की उपस्थिति प्रमोदजन्य रही।

श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि आचार्यश्री हीराचन्द्र म.सा. के निर्देशानुसार आचार्यश्री महेन्द्रमुनि म.सा. ने मुमुक्षु कशिश बाफना पुत्री सुनील-राणु बाफना, कालहस्ती महासती श्री इन्दूबाला म.सा.आदि ठाणा की सेवा में ज्ञान-ध्यानरत है,उनकी जैन भागवती दीक्षा 3 मई को श्री प्रमोदमुनि म.सा. के मुखारविन्द से नासिक में होने जा रही है।

राणीसती दादी का मंगल पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। दादी परिवार द्वारा हर महीने कि भांति इस महीने भी दादी परिवार कि और से राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम मेंगणेश वन्दना के साथ चालू किया गया। दादी परिवार कि अध्यक्ष शिलाशाह ने बताया कि दोपहर में महाआरती एवं महाप्रसाद दादी के मंगल पाठ के इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया उसके उपरांत कार्यक्रम मे आये सभी महीलाओं ने मिलकर आपस मे दादी को मीठे मीठे भजनों से रिझाया।

हरिओम स्माइल्स द्वारा आध्यात्मिक उपचार पर आयोजन 13 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हरिओम स्माइल्स द्वारा आगामी रविवार को आध्यात्मिक उपचारक एवं शक्स्त वक्ता मोनिका द्वारा संगीतकार क्योर इज़ श्योर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम चेटपेट के चिमाया हेरिटेज सेंटर में सायं 3 बजे से 5 बजे तक होगा। जिसमें आध्यात्मिक वक्ता और उपचारक मोनिका कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अपने आध्यात्मिक उपचार के अनुभव को एक दूसरे के साथ साझा समर्थन और जीवन में आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति के सरल चरणों का विस्तार से वर्णन शामिल है। नि:शुल्क आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9840794472 पर संपर्क

नवकार मंत्र की ध्वनि से गुंजायमान हुआ सेलम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहाँ शंकरनगर स्थित वालापाडी कल्याण मंडपकंवर अनराज चोरडिया स्कूल में जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाइजेशन (जीतो) के विश्वव्यापी आह्वान पर दि जैन मिशन चैरिटेबल ट्रस्ट, सेलम के तत्वावधान में विश्व नवकार मंत्र दिवस का आयोजन किया गया। जैन साध्वी डॉ प्रतिभाश्री म. सा. की निश्रा में सेलम के सकल जैन संघ के लगभग एक हजार श्रावक श्राविकाओं ने विश्व कल्याण हेतु इस महामंत्र जप में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

जप के पश्चात साध्वीश्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नवकार मंत्र एक अत्यंत प्रभावशाली मंत्र है और वर्तमान समय में विश्व में जो अशांति और अराजकता फैल रही है उसे क्षीण करने के लिए जीतो द्वारा लगभग एक सौ आठ राष्ट्रों में करवाया जा रहा यह जप प्रयोग सफल और कारगर सिद्ध होगा। महामंत्र के उच्चारण से जो अणु वातावरण में फैलते हैं उससे चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है जिसके परिणामस्वरूप जगत का कल्याण होता है। आत्मकल्याण और निर्जरा की दृष्टि से भी नमस्कार महामंत्र उत्तम माना जाता है। यह जानकारी वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के मंत्री दिनेश श्रीश्रीमाल ने दी।

आकर्षण का केंद्र रहा 10 कैरेट का नीला हीरा

अबू धाबी/एपी। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में मंगलवार को करीब 10 करोड़ डॉलर कीमत के विश्व के सबसे दुर्लभ हीरों की प्रदर्शनी में एक नीले हीरे को प्रदर्शित किया गया और यह सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। सोथबी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में कुल आठ हीरे प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका कुल वजन 700 कैरेट से अधिक है। इनमें लाल, पीले, गुलाबी और रंगहीन हीरे शामिल हैं।

विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल ने सरकारी स्कूल का पुनर्निर्माण कर किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्र योजना के आयाम संरक्षण 'बढ़ते कदम विकास की ओर' के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा संरक्षित मालगला स्थित सरकारी हायर प्राइमरी स्कूल का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु नॉर्थ 1 के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तारानाथ ने किया। तारानाथ ने स्कूल के विकास के लिए मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया।

स्कूल प्रबंधन ने महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू आदि का सम्मान किया। मंजू गादिया ने कहा कि आज से दो वर्ष पहले जिस संकल्प के साथ हमने इस स्कूल का कार्य का बीड़ा उठाया था, उसे पूरा करते हुए बच्चों के विकास एवं सुविधाओं को ध्यान में रखकर इसे पूरा किया है।

उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा व अन्य संयोजिकाओं का उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। योजना की राष्ट्रीय संयोजिका व महिला मंडल की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री वीणा बैद ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर उपस्थित अनेक अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के स्कूल पुनर्निर्माण में विशेष सहयोग के लिए भूपेंद्र हरण, शशिकला नाहर, मनीष चावत, सरिता लोढ़ा, सोहनलाल चोपड़ा, राजेंद्र मरलेचा, मनीष बोथरा, प्रकाश बैद, मैक कंप्यूटर, सुरेश भंडारी, मिश्रीमल मांडोत आदि सहयोगियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में अभातेमम की लता जैन, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, पूर्व अध्यक्षा कुसुम डांगी, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, गांधीनगर मंडल की अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल, योजना की संयोजिका महिमा पटावरी एवं मोनिका बांठिया सहित अनेक शिक्षकों की उपस्थिति थी।

हुब्बल्ली टीम ने जीता मारवाड़ी प्रीमियर लीग क्रिकेट कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा बेलगावी शाखा के आतिथ्य में बेलगावी में दो दिवसीय प्रांतीय स्तर के मारवाड़ी प्रीमियर लीग-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें कर्नाटक के 9 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, पूवर्र् प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल सहित अनेक शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेलगावी शाखा के सचिव नटवर मोदानी ने बताया कि शाखा अध्यक्ष गोपाल उपाध्याय के नेतृत्व में यह आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑर्बिट प्ले यंग स्टार्स हुब्बल्ली टीम ने फाइनल मैच जीत कर एमपीएल कप पर कब्जा किया।

बेलगावी की टीम उपविजेता रही। पदाधिकारियों ने ट्रॉफी का वितरण किया।

प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा ने सभी युवा साथियों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.